www.summerexpress.in

समर एक्सप्रेस

सूर्योदय सुबह 7:17 बजे
सूर्यास्त शाम 5:27 बजे

R.N.I NO. CHMUL/25/A1155

साल-1 • अंक-108 • पृष्ठ-8 • मूल्य-1 रूपये • मंगलवार 23 दिसंबर 2025 • पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • चंडीगढ़ • ग्रुप एडिटर : अर्शदीप सिंह समर

न्यूज ब्रीफ

ईडी अपील, हाईकोर्ट का सोनिया-राहुल को नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी तथा नेशनल हेराल्ड मामले में अन्य आरोपियों को नोटिस जारी कर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की उस याचिका के जवाब में जवाब मांगा है, जिसमें निचली अदालत के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें ईडी द्वारा उनके खिलाफ दायर आरोपपत्र पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया गया था। केंद्रीय जांच एजेंसी की ओर से पेश होते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ईडी ने मामले की जांच पूरी कर ली है, सबूत जुटा लिए हैं और मामले से संबंधित कई तलाशी अभियान भी चलाए हैं। उन्होंने कहा कि निचली अदालत ने ईडी के आरोपपत्र पर संज्ञान लेने से इनकार करके गलती की है। अदालत इस मामले की आगे की सुनवाई 12 मार्च, 2026 को करेगी। न्यायमूर्ति रविंदर दुदेजा ने मामले की सुनवाई की।

एअर इंडिया फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली। दिल्ली से मुंबई जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट AI-887 को टेक-ऑफ के करीब 40 मिनट बाद दिल्ली एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। रिपोर्ट्स के मुताबिक बोइंग 777-300ER विमान का दाहिना इंजन उड़ान के बाद बंद हो गया और ऑयल प्रेशर जीरो हो गया था। विमान में करीब 335 यात्री सवार थे, सभी सुरक्षित हैं और उन्हें दूसरे विमान से भेजने की व्यवस्था की गई। घटना पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एयर इंडिया से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है और DGCA को पूरी जांच के निर्देश दिए हैं।

बांग्लादेश ने भारत में वीजा सेवाएं की बंद

नई दिल्ली। सुरक्षा हालात का हवाला देते हुए बांग्लादेश हाई कमीशन ने भारत में अपनी सभी वीजा और काउंसलर सेवाओं को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फैसला अगले आदेश तक लागू रहेगा। इससे पहले अगरतला स्थित बांग्लादेश कॉन्सुलेट भी वीजा सेवाएं निलंबित कर चुका है। उधर, भारत ने भी सुरक्षा चिंताओं के चलते चटगांव में अपने असिस्टेंट हाई कमीशन की वीजा सेवाएं बंद कर दी।

सिटीजन रिपोर्टर

अब आप भी बन सकते हैं समर एक्सप्रेस के सिटीजन रिर्पोटर। अपने इलाके की कोई भी समस्या, आयोजन, जानकारी या खबर हमें भेजें। आपके नाम के साथ प्रकाशित की जाएगी। अपनी खबर इस फोन नंबर 7986630191 या ईमेल infosummerexpress@gmail.com पर भेजें।

दृश्यता शून्य, रफ्तार पर लगी ब्रेक: कोहरे से जूझता हरियाणा-पंजाब, हिमाचल की चोटियों पर स्नोफॉल

कोहरे के चलते सड़क हादसों में इजाफा, 27 दिसंबर तक यलो अलर्ट, पहाड़ों पर नए साल पर होगी बारिश

समर न्यूज़ | चंडीगढ़/शिमला/पानीपत

कश्मीर के चिल्लई कलां में हुई बर्फ़बारी का खूबसूरत दृश्य। -समर न्यूज

पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ में लगातार दूसरे दिन भी घना कोहरा छाया रहा, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। हिमाचल प्रदेश की ऊंची चोटियों पर बीते 24 घंटे के दौरान ताजा बर्फबारी हुई। शिंकुला दर्रा, रोहतांग पास, अटल टनल, कोकसर में हिमपात के बाद ऊंचे क्षेत्रों में ठंड लौट आई है। वहीं बर्फबारी के कारण ऊंचे क्षेत्रों के न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। लाहौल स्पीति और किन्नौर के कुछेक क्षेत्रों में बीती रात को बर्फीली हवाएं भी चली, जिससे ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ठंड बढ़ गई है।

पंजाब के अमृतसर, जालंधर, गुरदासपुर, कपूरथला, लुधियाना सहित कई जिलों में सुबह के समय दृश्यता बेहद कम दर्ज की गई। कई स्थानों पर विजिबिलिटी लगभग शून्य रही, जिसके चलते सड़क हादसों की घटनाएं सामने आईं और यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई। इस बीच काफी संख्या में टूरिस्ट बर्फ देखने के लिए हिमाचल के कुल्लू-मनाली और लाहौल स्पीति के अलग अलग पर्यटन स्थलों पर पहुंचने लगा है। खासकर रोहतांग, शिंकुला दर्रा, अटल टनल व कोकसर में पर्यटन बर्फ के बीच मौज मस्ती कर रहे हैं। मनाली के मॉल रोड पर भी देर शाम तक टूरिस्ट के कारण रौनक बढ़ी है।

▪ बसें आपस में टकराईं

घने कोहरे के कारण सोमवार जालंधर के पीएपी चौक पर एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। कोहरे में एक ट्रक, पंजाब रोडवेज की पनबस और एक निजी बस आपस में टकरा गईं। पहले पनबस ट्रक से टकराई और इसके बाद उसकी टक्कर निजी बस से हो गई। हादसा इतना भीषण था कि पनबस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और बस के परखच्चे उड़ गए। गनीमत यह रही कि इस हादसे में कोई बड़ा जानी नुकसान नहीं हुआ, लेकिन यातायात काफी देर तक बाधित रहा। इसी तरह एक अन्य हादसा गिद्दड़बाहा-मलोट रोड पर थेहड़ी के पास हुआ, जहां बाबा फरीद यूनिवर्सिटी के स्टाफ और विद्यार्थियों को लेकर जा रही बस सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। बस में सवार अन्य स्टाफ और छात्र बाल-बाल बच गए, हालांकि बस को भारी नुकसान पहुंचा है।

▪ दिन में भी ठंड ने दिखाए तेवर...

हरियाणा में रात के बाद अब दिन में भी ठंड ने अपने तेवर कड़े कर लिए हैं। सोमवार को घने कोहरे के साथ चली बर्फीली हवाओं ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया। पहली बार इस सर्दी में प्रदेश के कई हिस्सों में दिन का तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। नूंह में अधिकतम तापमान 13.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो पूरे प्रदेश में सबसे कम रहा। वहीं, नारनौल में दिन का तापमान सामान्य से 5.8 डिग्री कम दर्ज किया गया। नारनौल में न्यूनतम तापमान 5.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो प्रदेश में सबसे कम रहा। एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से हरियाणा, एनसीआर और दिल्ली में बादलों की आवाजाही बनी रही। लगातार दक्षिण-पूर्वी नमी वाली हवाओं के कारण वातावरण में नमी बढ़ गई, जिसके चलते कोहरा छाया रहा।

▪ अगले पांच दिनों तक पंजाब में घना कोहरा और ठंड पड़ेगी

सुरिंदर पाल निदेशक आईएमडी चंडीगढ़ के अनुसार जम्मू-कश्मीर में हालिया बर्फबारी के चलते उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में ठंडी हवाएं चल रही हैं, जिससे पंजाब में ठंड और कोहरा दोनों का असर बढ़ गया है। अगले पांच दिनों तक घने कोहरे और कड़ाके की ठंड की चेतावनी जारी की है। उन्होंने बताया 27 दिसंबर तक घने कोहरे और 'कोल्ड डे' को लेकर यलो अलर्ट घोषित किया है। नए साल तक बारिश की कोई संभावना नहीं है, पहाड़ी क्षेत्रों के कुछ स्थानों पर हल्की बारिश की भी संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, बीते दिन पंजाब का गुरदासपुर जिला सबसे ठंडा रहा, जहां न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गुरदासपुर, अमृतसर, नवांशहर, कपूरथला, जालंधर, बठिंडा, लुधियाना और मानसा जिलों में कुछ स्थानों पर अत्यधिक ठंड पड़ने की संभावना है। आने वाले दिनों के पूर्वानुमान के अनुसार, 23 से 31 दिसंबर के बीच राज्य के कई हिस्सों में घना से बहुत घना कोहरा छाया रह सकता है। मौसम अधिकतर शुष्क रहेगा, लेकिन ठंड में और इजाफा होने की आशंका है। अगले 48 घंटों में न्यूनतम तापमान में बड़ा बदलाव नहीं होगा, लेकिन इसके बाद तापमान 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है।

पंजाब के सरकारी विभागों के बिजली बिल का बकाया 2,582 करोड़ रुपये

पब्लिक प्रॉपर्टी की बिक्री के विरुद्ध हाईकोर्ट में याचिका

एजेंसी। चंडीगढ़

▪ बिजली बकाया का बड़ा हिस्सा चार प्रमुख विभागों पर

- *जल आपूर्ति एवं स्वच्छता विभाग बकाया 1,013.7 करोड़ रुपये*
- *स्थानीय सरकार विभाग बकाया 852.4 करोड़ रुपये*
- *ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग बकाया 382.8 करोड़ रुपये*
- *स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग बकाया 127.4 करोड़ रुपये*

पंजाब सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा बिजली बिलों की भारी बकाया राशि की अदायगी के लिए सार्वजनिक संपत्तियों की बिक्री के फैसले को चुनौती देते हुए पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में एक जनहित याचिकादायर की गई है। यह याचिका अधिवक्ता राजबीर सिंह द्वारा दाखिल की गई है, जिसमें पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड (पीएसपीसीएल) की कमजोर वित्तीय स्थिति, सरकारी विभागों की भुगतान में लापरवाही और सार्वजनिक संपत्तियों के कथित दुरुपयोग पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। याचिका के अनुसार अगसत 2025 के अंत तक पंजाब सरकार के विभिनन विभागों पर पीएसपीसीएल का कुल बिजली बकाया 2,582.24 करोड़ रुपये तक पहुंच गया था। इसके अलावा, सरकार पर बिजली सब्सिडी के बकाये 10,000 करोड़ रुपये से अधिकबताए गए हैं। याचिकाकर्ता का आरोप है कि सरकार एक उपभोक्ता के रूप में अपनी नैतिक और कानूनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रही है, जिसके चलते पीएसपीसीएल गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रही है।

याचिका में यह भी उल्लेख है कि वित्तीय दबाव के कारण पीएसपीसीएल को वर्ष 2024 में अपने दैनिक खर्च जिनमें कर्मचारियों के वेतन, पेंशन और बिजली खरीद शामिल हैं पूरे करने के लिए करीब 800 करोड़ रुपये का कर्जलेना पड़ा। वहीं, राज्य सरकार का कुल कर्ज भार अक्टूबर 2025 तक लगभग 4 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की आशंका जताई गई है, जिसे पंजाब की आर्थिक सेहत के लिए गंभीर खतरा बताया गया है।

याचिका में कहा गया है कि उक्त चारों विभाग मिलकर कुल बकाये का लगभग 92 प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं।

जनहित याचिका में राज्य सरकार की खाली सरकारी जमीन की सर्वोत्तम उपयोग नीति के तहत सार्वजनिक संपत्तियों की बिक्री का कड़ा विरोध किया गया है। याचिकाकर्ता का दावा है कि बठिंडा स्थितगुरु नानक देव थर्मल प्लांटसे जुड़ी लगभग 165 एकड़ कीमती जमीन को नीलामी के लिएपंजाब शहरी विकास प्राधिकरणको सौंपने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा, लुधियाना की पावर कॉलोनी और पटियाला की बडूंगर साइट जैसी बहुमूल्य संपत्तियों को बेचकर लगभग 2,789 करोड़ रुपये जुटाने की योजनाएं चल रही हैं। याचिका में इन संपत्तियों को "परिवार की चांदी" और "पैतृक विरासत" करार देते हुए तर्क दिया गया है कि अल्पकालिक वित्तीय जरूरतों के लिए इन्हें बेचना आने वाली पीढ़ियों के हितों के साथ अन्याय होगा। याचिकाकर्ता का कहना है कि जब सरकारी विभागों से बकाया वसूली कर संकट का समाधान संभव है, तो सार्वजनिक संपत्तियों की बिक्री का कोई औचित्य नहीं बनता।

हाईकोर्ट से यह भी अनुरोध किया गया है कि वह बिजली अधिनियम, 2003 की धारा 56 के तहत डिफॉल्टर सरकारी विभागों के बिजली कनेक्शन काटने के लिए पीएसपीसीएल को निर्देश दे। साथ ही, राज्य सरकार को 10 हजारकरोड़ रुपये से अधिकके बकाया बिजली बिल और सब्सिडी का तत्काल भुगतान करने का आदेश देने की मांग की गई है। याचिका में सार्वजनिक संपत्तियों की बिक्री या हस्तांतरण पर रोक लगाने और जिन जमीनों का उद्देश्यपूर्ण उपयोग नहीं हो रहा, उन्हें मूल भूमि मालिकों अर्थात किसानों को लौटाने की भी प्रार्थना की गई है।

नवजोत सिंह सिद्धू का विरोधियों पर निशाना

अमृतसर। नवजोत सिंह सिद्धू ने एक बार फिर सियासी हलचल तेज कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक रिएलिटी शो का प्रोमो साझा करते हुए शायराना अंदाज में खुद को "बाज की जिंदगी" जीने वाला बताया और विरोधियों को सीधा संदेश दिया। नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि वह "कबूतरों की तरह भूखे या कमजोर नहीं हैं", बल्कि "बाज की जिंदगी जीते हैं।" उन्होंने अपने अंदाज में कहा "हमा मों कबूतर का भूखा नहीं, मैं बाज की जिंदगी है। पलटना, झपटना, झपट के पलटना ये खून गर्म रखने का बहाना है।

बांग्लादेश में हसीना विरोधी नेता पर गोलीबारी, मोहम्मद मोतालेब सिकदर गंभीर रूप से घायल

एजेंसी। ढाका

बांग्लादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के विरोधियों पर हमलों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताज़ा घटना में सोमवार दोपहर खुलना में नेशनल सिटिज़न्स पार्टी के वरिष्ठ नेता मोहम्मद मोतालेब सिकदर पर जानलेवा हमला किया गया। बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हमलावरों ने दोपहर करीब 12 बजे सिकदर के घर में घुसकर उन पर गोली चलाई। बताया जा रहा है कि फायरिंग सीधे उनके सिर को निशाना बनाकर की गई, जिससे वे गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत उन्हें खुलना मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, शुरुआती समय में उनकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई थी। डॉक्टरों ने बताया कि गोली कान के आर-पार निकल गई। पुलिस अधिकारी अनिमेष मंडल ने कहा कि सौभाग्य से गोली दिमाग तक नहीं पहुंची, जिससे उनकी जान बच सकी।

मोहम्मद मोतालेब शिकदर NCP के खुलना डिवीजन प्रमुख हैं और पार्टी से जुड़े श्रमिक संगठन NCP श्रमिक शक्ति के आयोजक भी हैं। उन पर हुए इस हमले के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

राजनीतिक चंदा: 2024-25 में भाजपा को मिला 85% हिस्सा, कांग्रेस से 12 गुणा ज्यादा फंड

एजेंसी। नई दिल्ली

राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे में साल 2024-25 के दौरान बड़ा असंतुलन देखने को मिला है। भाजपा ने इस अवधि में 6,000 करोड़ रुपये से अधिक का राजनीतिक चंदा हासिल किया, जो कुल दान का करीब 85% है। यह आंकड़ा पिछले साल 2023-24 में 56% था। ये जानकारी भारतीय निर्वाचन आयोग में दाखिल ताज़ा खुलासों से सामने आई है।

इसके मुकाबले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 2024-25 में सिर्फ 522 करोड़ रुपये का चंदा मिला, जबकि 2023-24 में उसे 1,130 करोड़ रुपये प्राप्त हुए थे। यानी भाजपा की तुलना में कांग्रेस को लगभग 12 गुना कम फंड मिला। डेटा के विश्लेषण से पता चलता है कि ज्यादातर चंदा अप्रैल और मई 2024 में, लोकसभा चुनाव के नतीजों से पहले दिया गया। हालांकि चुनाव में भाजपा की सीटें 303 से घटकर 240 रह गईं, फिर भी फंडिंग में उसका दबदबा बढ़ा।

इलेक्टोरल बॉन्ड के बाद बदला तरीका

2018 से 2024 के बीच राजनीतिक दलों को मिलने वाले ज्यादातर चंदे इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए आए। लेकिन फरवरी 2024 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस योजना को रद्द किए जाने के बाद कंपनियों ने इलेक्टोरल ट्रस्ट के जरिए दान देना शुरू किया। इसी वजह से 2024-25 में सबसे बड़े दानदाता इलेक्टोरल ट्रस्ट बने।

सबसे बड़े ट्रस्ट और कॉरपोरेट दानदाता

सबसे ऊपर रहा प्रूडेंट इलेक्ट्रॉल ट्रस्ट, जिसने भाजपा को 2,181 करोड़ और कांग्रेस को 216 करोड़ रुपये दिए। इस ट्रस्ट का सबसे बड़ा योगदान एलिवेटेड एवेन्यू रियल्टी एलएलपी से आया, जो एलएंडटी से जुड़ी कंपनी है, जिसकी राशि 500 करोड़ रुपये रही।

दूसरे नंबर पर प्रोग्रेसिव इलेक्ट्रॉल ट्रस्ट रहा, जिसने भाजपा को 757.6 करोड़ और कांग्रेस को 77.3 करोड़ रुपये दिए। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह ट्रस्ट टाटा समूज के नियंत्रण में है, जिससे टाटा समूह भाजपा का सबसे बड़ा व्यक्तिगत दानदाता बन गया। तीसरे स्थान पर एबी जनरल ट्रस्ट (606 करोड़ भाजपा को) और चौथे स्थान पर न्यू डेमोक्रेटिक इलेक्ट्रॉल ट्रस्ट रहा, जिसे पूरा फंड महिंद्रा समूह से मिला।

कुल चंदा स्थिर, भाजपा का हिस्सा बढ़ा

हालांकि आठ प्रमुख राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों को मिला कुल चंदा करीब 7,000 करोड़ रुपये पर स्थिर रहा, लेकिन इसमें भाजपा का हिस्सा 56% से बढ़कर 85% हो गया। विशेषज्ञों का कहना है कि ऑडिट रिपोर्ट आने और 20 हजार रुपये से कम के दानों के जुड़ने के बाद आंकड़ों में हल्का बदलाव हो सकता है, जबकि कुछ दलों के खुलासे अभी बाकी हैं।

पेज 1 एंकर स्टोरी

बेड पर WWE डॉक्टर साहब भड़के, मरीज ने लात चलाई-वीडियो में हिल गया सिस्टम

क्या घर में भी ऐसे ही बात करते हो... इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज में सवाल से शुरू हुआ इलाज और लात-घूंसे पर खत्म

समर न्यूज़ । शिमला

आपने अक्सर सुना होगा कि डॉक्टर भगवान का दूसरा रूप होते है, लेकिन शिमला के IGMC में जो हुआ, उसके बाद लोग पूछ रहे हैं- यह इलाज था या WWE का लाइव ट्रायल। जी हां, हिमाचल प्रदेश के सबसे बड़े अस्पताल इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज, शिमला से एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसे देखकर न मेडिकल साइंस समझ आए, न पेशेंट केयरबस 16 सेकंड में पूरा सिस्टम नॉकआउट हो गया। हिमाचल प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (IGMC), शिमला में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब डॉक्टर और मरीज के बीच खुलेआम मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। महज 16 सेकंड के इस वीडियो ने पूरे स्वास्थ्य तंत्र पर सवाल खड़े कर दिए हैं। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि बेड पर लेटे मरीज पर डॉक्टर लातें बरसाता है और जवाब में मरीज भी डॉक्टर पर लात-घूसे मारता नजर आता है। जानकारी के मुताबिक मरीज एंडोस्कोपी कराने के लिए आईजीएमसी पहुंचा था। बेड पर लेटने को लेकर डॉक्टर और मरीज के बीच पहले कहासुनी हुई, जो कुछ ही पलों में हिंसक झड़प में बदल गई। मरीज के परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर ने पहले अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। जब मरीज ने इस पर आपत्ति जताई, तो डॉक्टर भड़क गया और मारपीट शुरू हो गई। घटना के दौरान वार्ड में मौजूद अन्य मरीजों और स्टाफ ने बीच-बचाव की कोशिश की, लेकिन हालात इतने बिगड़ चुके थे कि किसी की एक न चली। और डॉक्टर-मरीज संबंधों पर तीखी बहस छिड़ गई है। घटना के दौरान वार्ड में मौजूद लोगों ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन डॉक्टर ने उन्हें भी फटकार लगाई। पूरे घटनाक्रम का किसी ने वीडियो बना लिया, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए आईजीएमसी प्रशासन हरकत में आया है। मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. राहुल राव ने बताया कि घटना की प्रारंभिक जांच के आदेश दिए गए हैं और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इधर, मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने भी मामले का संज्ञान लेते हुए निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए हैं। वहीं मरीज के परिजनों ने पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, एक डॉक्टर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

देश के अंदर दो नमूने हैं: योगी का परोक्ष तंज, अखिलेश का पलटवार

नई दिल्ली । लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर परोक्ष हमला बोला। अवैध कोडीन-आधारित कफ सिरप के कथित कारोबार पर बहस के बीच योगी ने कहा, "देश के अंदर दो नमूने हैं-एक दिल्ली में बैठता है और दूसरा लखनऊ में। देश में कोई चर्चा होती है तो दोनों विदेश चले जाते हैं। लगता है आपके 'बबुआ' भी इंग्लैंड की यात्रा पर निकल जाएंगे।" सीएम ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में कोडीन कफ सिरप से किसी की मौत नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि मामले में NDPS एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी और सरकार यह केस अदालत में जीत चुकी है। योगी ने यह भी कहा कि STF द्वारा पकड़ा गया सबसे बड़ा थोक विक्रेता 2016 में सपा सरकार के कार्यकाल में लाइसेंस प्राप्त था। कार्रवाई का ब्योरा देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक 79 मामले दर्ज किए गए हैं, 225 आरोपियों के नाम सामने आए हैं और 78 गिरफ्तारियां हुई हैं। योगी के बयान पर अखिलेश यादव ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने X पर लिखा कि संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों को सार्वजनिक मर्यादा बनाए रखनी चाहिए और व्यक्तिगत टिप्पणियों से बचना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि अवैध कफ सिरप का रैकेट प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र से जुड़ा है और "माफियाओं" पर राजनीतिक पहचान से परे सख्त कार्रवाई की मांग की। इससे पहले, सपा विधायकों ने विधानसभा के बाहर प्रदर्शन किया। पार्टी ने सरकार पर कार्रवाई में ढिलाई का आरोप लगाते हुए कहा कि युवाओं और जनस्वास्थ्य की अनदेखी की जा रही है।

पंजाब के पूर्व IG अमर सिंह चहल ने खुद को गोली मारी, 8.10 करोड़ के ऑनलाइन फ्रॉड का खुलासा

पटियाला में घर के अंदर सुरक्षाकर्मी की रिवॉल्वर से पेट में मारी गोली, SIT या CBI जांच की मांग

समर न्यूज़ | पटियाला/चंडीगढ़

पंजाब पुलिस के पूर्व इंस्पेक्टर जनरल अमर सिंह चहल ने सोमवार को पटियाला स्थित अपने आवास पर खुद को गोली मारकर आत्महत्या का प्रयास किया। उन्होंने यह गोली अपने सुरक्षाकर्मी की रिवॉल्वर से पेट में मारी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद परिजनों और पुलिस की मदद से उन्हें पटियाला के एक निजी पार्क अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

घटना से पहले पूर्व आइजी चहल ने 12 पेज का एक विस्तृत सुसाइड नोट लिखा, जिसमें उन्होंने करीब 8.10 करोड़ रुपये के ऑनलाइन फ्रॉड में फंसने की बात कही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सुसाइड नोट में उन्होंने शेयर बाजार, आपीओ और ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर की गई ठगी का पूरा विवरण दिया है। चहल ने लिखा है कि 28 अक्टूबर 2025 से वह एक व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़े थे, जहां एक व्यक्ति खुद को डीबीएस बैंक का सीईओ डॉ. रजत वर्मा बताकर निवेश के टिप्स देता था। प्रोफाइल फोटो और लगातार मिलने वाले जवाबों के कारण उन पर भरोसा बढ़ता चला गया।

सुसाइड नोट के अनुसार, ग्रुप के जरिए एक ऑनलाइन डैशबोर्ड दिखाया गया, जिसमें आईपीओ, ओटीसी ट्रेड, डेली स्टॉक्स और क्वांटिटेटिव फंड्स में भारी मुनाफा दर्शाया जाता था। बाद में यह डैशबोर्ड पूरी तरह फर्जी निकला। चहल ने लिखा कि जब उन्होंने अपनी राशि निकालने की कोशिश की, तो उनसे सर्विस फीस, टैक्स और प्रीमियम मेंबरशिप के नाम पर करोड़ों रुपये और वसूले गए, लेकिन पैसा वापस नहीं मिला। उन्होंने यह भी बताया कि एक्सिस, एचडीएफसी और आइसीआइसीआइ बैंक खातों से 8 करोड़ रुपये से अधिक की रकम ट्रांसफर की गई, जिसमें से करीब 7 करोड़ रुपये उन्होंने उधार लिए थे।

पूर्व आइजी ने सुसाइड नोट में यह भी उल्लेख किया कि वह मानसिक अवसाद से जूझ रहे हैं और इलाज करा रहे थे। उन्होंने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने, उधार देने वालों से राहत दिलाने और ठगों द्वारा वसूली गई रकम परिवार को वापस दिलाने की अपील की है। इसके साथ ही उन्होंने पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव से इस पूरे मामले की एसआईटी या सीबीआई से जांच कराने की मांग की है। बताया जा रहा है कि यह सुसाइड नोट उन्होंने अपने कुछ करीबी दोस्तों को भी भेजा था। घटना के समय उनका बेटा घर पर ही मौजूद था।

पटियाला के एसएसपी वरुण शर्मा ने बताया कि गोली चलने की सूचना मिलते ही पुलिस टीमें मौके पर पहुंच गई थीं। सुसाइड नोट को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है।

उल्लेखनीय है कि अमर सिंह चहल 2015 के बहबल कलां और कोटकपूरा गोलीकांड मामले में भी आरोपी रह चुके हैं। इस प्रकरण में 2023 में एसआईटी द्वारा दाखिल चार्जशीट में कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और राजनीतिक नेताओं के नाम शामिल किए गए थे।

पूर्व आईजी द्वारा उठाया गया यह कदम न केवल ऑनलाइन फ्रॉड के बढ़ते खतरे को उजागर करता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि इस तरह की ठगी किस तरह से मानसिक दबाव और गंभीर परिणामों तक ले जा सकती है। फिलहाल पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

यूट्यूब देखकर लगाई नकली घी की फैक्ट्री

120 में बनाकर 450 में बेचते थे, जयपुर में एक साल से चल रहा था खेल

समर न्यूज़ | जयपुर

जयपुर पुलिस ने सरना डूंगर इंडस्ट्रियल एरिया में चल रही नकली घी की बड़ी फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है। यहां यूट्यूब से सीखकर 120 रुपए प्रति लीटर की लागत में नकली घी तैयार किया जा रहा था, जिसे बाजार में नामी कंपनियों के पैकेट में भरकर 450 रुपए किलो तक बेचा जाता था। पुलिस के अनुसार फैक्ट्री में रोजाना करीब 16 घंटे मशीनें चलती थीं और लगभग 2 हजार लीटर नकली घी तैयार किया जाता था।

डीसीपी हनुमान प्रसाद ने बताया कि फैक्ट्री पिछले करीब एक साल से संचालित हो रही थी। रेड के दौरान मौके से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि गिरोह के मास्टरमाइंड वीरेंद्र शर्मा को बाद में पकड़ा गया। फैक्ट्री से भारी मात्रा में नकली घी, नामी कंपनियों की पैकिंग सामग्री और मशीनें बरामद की गई हैं।

पुलिस जांच में सामने आया है कि शुरुआत में आरोपी छोटे स्तर पर नकली घी बनाते थे। मुनाफा बढ़ने पर उन्होंने पूरी फैक्ट्री स्थापित कर ली और बाकायदा मार्केटिंग टीम बनाकर बाजारों में सप्लाई शुरू कर दी। मशीनें यूट्यूब वीडियो देखकर बाहर से मंगवाई गई थीं।

पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ कि मास्टरमाइंड ने इस अवैध कारोबार से एक साल में करोड़ों की प्रॉपर्टी और कई वाहन खरीद लिए। पुलिस अब गिरोह के बैंक खातों, संपत्तियों और सप्लाई चेन की जांच कर रही है, ताकि बाजार में पहुंच चुके नकली घी को रोका जा सके।

मलेशिया में भारतीय युवाओं से दुर्व्यवहार

मलेशिया से डिपोर्ट होकर लौटे भारतीय युवाओं के साथ कथित दुर्व्यवहार पर चिंता

समर न्यूज़ | अमृतसर

अमृतसर से कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला ने मलेशिया से डिपोर्ट होकर लौटे भारतीय युवाओं के साथ हुए कथित दुर्व्यवहार पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि टूरिस्ट और रोजगार वीजा पर मलेशिया गए युवाओं को वहां के एयरपोर्ट अधिकारियों ने घंटों रोके रखा और उनके साथ अत्यंत अपमानजनक व्यवहार किया। सांसद के अनुसार कुछ मामलों में तो मानवीय अत्याचार की हद तक घटनाएं सामने आई हैं।

औजला ने आरोप लगाया कि इस दौरान विशेष रूप से पंजाबी युवाओं को निशाना बनाया गया, जो बेहद गंभीर और चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि भारतीय नागरिकों के साथ विदेश की धरती पर ऐसा व्यवहार किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। यह मामला केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय और मानवीय स्तर पर भारत की छवि और उसके नागरिकों के सम्मान से जुड़ा हुआ है।

सांसद ने बताया कि पीड़ित युवाओं की शिकायतें सुनने के बाद वह इस पूरे मामले को केंद्रीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के समक्ष उठाएंगे। इसके साथ ही मलेशिया स्थित भारतीय दूतावास से भी तत्काल बातचीत कर हस्तक्षेप की मांग की जाएगी, ताकि भविष्य में किसी भी भारतीय के साथ इस तरह की बेइज्जती न हो।

औजला ने कहा कि सरकार देश के युवाओं की इज्जत, सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और विदेशों में भारतीय नागरिकों को सम्मानजनक और सुरक्षित माहौल दिलाना सरकार की प्राथमिकता रहेगी।

रोजाना 40 से अधिक डॉग बाइट केस

फगवाड़ा में आवारा कुत्तों का कहर

समर न्यूज़ | फगवाड़ा

फगवाड़ा में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। हालात ऐसे हैं कि सिविल अस्पताल फगवाड़ा में ही रोजाना औसतन 40 लोग कुत्तों के काटने के बाद इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। यह आंकड़ा केवल सरकारी अस्पताल का है, जबकि शहर के 100 से अधिक निजी अस्पतालों और क्लीनिकों में पहुंच रहे मामलों की संख्या इससे कहीं अधिक मानी जा रही है। बावजूद इसके नगर निगम और सिविल प्रशासन की ओर से इस गंभीर समस्या को लेकर कोई प्रभावी कदम उठता नजर नहीं आ रहा है।

रविवार को गुरु तेग बहादर नगर टिब्बी में आवारा कुत्ते के हमले में 11 वर्षीय पीयूष पुत्र विकास गंभीर रूप से घायल हो गया। कुत्ते ने बच्चे के चेहरे पर हमला कर दिया, जिससे उसके गाल और होठों पर 13 टांके लगाने पड़े। सिविल अस्पताल की एसएमओ डॉ. सिमरदीप कौर ने बताया कि डॉग बाइट के मामले रोजाना सामने आ रहे हैं, जिससे अस्पतालों पर भी दबाव बढ़ रहा है।

नगर निगम कमिश्नर डॉ. अक्षिता गुप्ता ने बताया कि लोगों के एतराज के चलते फिलहाल यह कार्यक्रम रोका गया है। उन्होंने कहा कि निगम ने एनीमल वेल्फेयर बोर्ड ऑफ इंडिया से रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन किया है और रजिस्ट्रेशन मिलते ही एबीसी प्रोग्राम दोबारा शुरू किया जाएगा। इस बीच, कानूनी जानकारों का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुसार आवारा कुत्ते के काटने पर मुआवजे का प्रावधान है। एडवोकेट धनदीप कौर के मुताबिक प्रति दांत के निशान पर 10 हजार रुपये और घाव के आकार के आधार पर 20 हजार रुपये तक का मुआवजा दिया जा सकता है, जिसकी जिम्मेदारी नगर निगम की होगी। ऐसे में बढ़ते हमलों के बीच लोगों की मांग है कि प्रशासन जल्द ठोस और स्थायी समाधान निकाले।

सरवन सिंह धुन ने बसरके और ढल्ल गांवों में

कनेक्टिंग सड़कों के अपग्रेडेशन का नींव पत्थर रखा

दर्शन सिंह संधू | तरनतारन
समर न्यूज़

पंजाब सरकार द्वारा राज्य में सड़क और पुल निर्माण के बड़े पैमाने पर किए जा रहे कार्यों को लेकर विधानसभा हलका खेमकरण के विधायक सरवन सिंह धुन ने कहा कि वर्ष 2025 तक पंजाब में बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में ऐतिहासिक विकास हुआ है। वे ब्लॉक भिखीविंड के गांव बसरके और ढल्ल में अलग-अलग कनेक्टिंग सड़कों के अपग्रेडेशन प्रोजेक्ट्स का नींव पत्थर रखने के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार "रंगीन पंजाब" के विजन के तहत राज्य के हर कोने में विकास पहुंचाने के लिए लगातार प्रयासरत है, जिसमें मजबूत और आधुनिक सड़क नेटवर्क प्रमुख प्राथमिकता है। सरवन सिंह धुन ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान

नींव पत्थर रखते सरवन सिंह। - समर न्यूज़

840 किलोमीटर सड़कों के निर्माण पर 663 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बनाई गई थी, जिसमें से 501.76 किलोमीटर सड़कें पूरी हो चुकी हैं और अब तक 334.31 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। इसी अवधि में 31 पुलों के निर्माण पर 155 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना है, जिनमें से 29 पुलों पर काम जारी है और 2 पुल पूरे हो चुके हैं। इस मद में अब तक 30.99 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। उन्होंने कहा कि नाबार्ड के तहत 125 किलोमीटर सड़कों और 10 पुलों के निर्माण पर 192 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं, जिनमें से 52 किलोमीटर सड़कें और 8 पुल पूरे हो चुके हैं। इसके अलावा 641 किलोमीटर सड़कों के निर्माण पर 600 करोड़ रुपये और राष्ट्रीय राजमार्गों के अंतर्गत 70 किलोमीटर सड़कों पर 430 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। जिससे प्रदेश की कनेक्टिविटी और मजबूत होगी।

जमीनी स्तर पर लोगों से संवाद जारी, गांवों के विकास को नई गति देने का प्रयास

गांवों को शहरों जैसी सुविधाएं सरकार की प्राथमिकता: सीएम

समर न्यूज़ | संगरूर

पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान ने गांवों के विकास को नई रफ्तार देने के उद्देश्य से जमीनी स्तर पर लोगों से संवाद का सिलसिला जारी रखते हुए कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य गांवों को शहरों के समान विश्वस्तरीय नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है। लोगों से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के समग्र विकास के लिए गांवों का सर्वांगीण विकास समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यह कार्य आम जनता के सहयोग और भागीदारी के बिना संभव नहीं है। मुख्यमंत्री ने लोगों से भावनात्मक जुड़ाव स्थापित करते हुए कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जनता और निर्वाचित प्रतिनिधियों को नियमित निगरानी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पंजाब की बड़ी आबादी गांवों में रहती है, इसलिए

राज्य सरकार गांवों के अभूतपूर्व विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार के पास विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं है। कूड़े के ढेर, स्ट्रीट लाइट, सीवरेज जैसी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने राज्य को कर्ज के जाल में फंसा दिया था, जबकि मौजूदा सरकार कर्ज चुकाने के साथ-साथ विकास कार्य भी कर रही है। पिछले चार वर्षों में 58 हजार से अधिक नौकरियां दी गई हैं, स्कूलों की नई इमारतें बनी हैं और 43 हजार किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि छात्रों को पायलट बनने का अवसर देने के लिए सरकार ने सात विमान खरीदे हैं, ताकि साधारण परिवारों के बच्चे भी बड़े सपने साकार कर सकें।

मनरेगा का नाम बदलने पर टिप्पणी करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि केवल नाम बदलने से गरीबों का पेट नहीं भरता। उन्होंने केंद्र सरकार पर पंजाब के वैध हिस्से के फंड रोकने का आरोप लगाते हुए इसे संघीय ढांचे के खिलाफ बताया। मुख्यमंत्री ने बताया कि जल्द ही 'मुख्यमंत्री सेहत योजना' शुरू की जाएगी, जिसके तहत राज्य के 65 लाख परिवारों को सरकारी व निजी अस्पतालों में 10 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज मिलेगा। उन्होंने कहा कि आने वाले बजट सत्र में और भी जनहितैषी योजनाएं लाई जाएंगी। शिरोमणि अकाली दल पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे एआई तकनीक के जरिए जनता को गुमराह कर रहे हैं और असली मुद्दों से भटक चुके हैं, जबकि आम आदमी पार्टी विकास और जनहित की राजनीति कर रही है।

अमृतसर में स्कूली छात्रों के विवाद ने लिया हिंसक रूप

समर न्यूज़ | अमृतसर

पंजाब के अमृतसर में स्कूली छात्रों के बीच शुरू हुआ मामूली विवाद रविवार शाम को उस समय गंभीर हिंसा में बदल गया, जब समझौते के लिए इकट्ठा हुए दोनों पक्षों के बीच फायरिंग हो गई। इस घटना में 11वीं कक्षा के छात्र अर्शदीप सिंह के पैर में गोली लग गई, जबकि मौके पर खड़ी एक थार गाड़ी के शीशे भी तोड़ दिए गए। फायरिंग की आवाज से इलाके में दहशत फैल गई।

जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले अमृतसर के एक स्कूल में 11वीं और 12वीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्रों के बीच झगड़ा हुआ था। स्कूल में मामला शांत न होने पर दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से समझौता कराने का फैसला किया। इसी के तहत रविवार शाम को दोनों पक्ष लोहारका रोड पर इकट्ठा हुए। छात्रों के साथ उनके परिजन भी मौके पर पहुंचे थे।

समझौते की बातचीत के दौरान जब परिजन बीच में कूद पड़े, तो माहौल फिर से गर्म हो गया। पहले कहासुनी हुई और फिर विवाद इतना बढ़ गया कि बात फायरिंग तक पहुंच गई। आरोप है कि इस दौरान कई राउंड गोलियां चलाई गईं। एक गोली अर्शदीप सिंह के पैर में जा लगी। घायल छात्र जान बचाने के लिए दौड़कर गाड़ी में बैठ गया, लेकिन इसके बावजूद उस पर दोबारा फायरिंग की गई, जिससे उसकी थार गाड़ी के शीशे टूट गए। घायल छात्र के पिता सरमकार सिंह ने बताया कि उनके बेटे को गोली लगी है और फायरिंग निजामपुर गांव निवासी हरिंदर सिंह ने अपने 5-6 साथियों के साथ मिलकर की। उन्होंने दावा किया कि पूरी घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद है और उसमें साफ दिख रहा है कि किस तरह बच्चों पर गोलियां चलाई गईं।

बीमारी के खतरे के संकेतों को न करें नजरअंदाज: डॉ. पुष्करणा

समर न्यूज़ | अमृतसर

फोर्टिस अस्पताल अमृतसर ने लोगों से अपील की है कि वे बीमारी के शुरुआती चेतावनी संकेतों को हल्के में न लें। अस्पताल द्वारा जारी हेल्थ एडवाइजरी में बताया गया है कि कई मेडिकल इमरजेंसी धीरे-धीरे विकसित होती हैं और लक्षण सामान्य लगने के कारण लोग इलाज में देरी कर देते हैं, जिससे स्थिति गंभीर हो सकती है। फोर्टिस अस्पताल के एडिशनल डायरेक्टर (इंटरनल मेडिसिन) डॉ. वरुण पुष्करणा ने कहा कि शरीर बिना संकेत दिए कभी भी खराब नहीं होता। सांस फूलना, सीने में दर्द, लगातार उल्टी, तेज बुखार, भ्रम, अत्यधिक थकान, बेहोशी या असामान्य रक्तस्राव जैसे लक्षण गंभीर बीमारी की ओर इशारा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि वायरल बुखार,

सांस की इन्फेक्शन, फूड पॉयजनिंग और एलर्जी जैसी आम समस्याएं भी समय पर इलाज न मिलने पर जानलेवा साबित हो सकती हैं। डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, दिल, किडनी और लिवर के मरीजों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। डॉ. पुष्करणा ने सलाह दी कि अगर लक्षण तेजी से बढ़ रहे हों या लंबे समय तक ठीक न हो रहे हों, तो तुरंत अस्पताल पहुंचकर चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए। समय पर इलाज से गंभीर जटिलताओं को रोका जा सकता है।

1500 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू

समर न्यूज़ | जालोर

पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही मुहिम के तहत जिला फरीदकोट में कार्रवाई करते हुए पटवारी पूजा यादव के अधीन काम करने वाले निजी व्यक्ति सुखविंदर सिंह को 1500 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह जानकारी राज्य विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने दी। उन्होंने बताया कि फरीदकोट की भान सिंह कॉलोनी निवासी एक व्यक्ति की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि सुखविंदर सिंह ने प्लॉट का इंतकाल कराने के बदले 2000 रुपये की रिश्वत मांगी थी, जिसकी बातचीत उसने रिकॉर्ड कर ली थी। प्रारंभिक जांच के बाद विजीलैंस टीम ने दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में आरोपी को रिश्वत लेते पकड़ा। आरोपी के खिलाफ विजीलैंस थाना फिरोजपुर में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच जारी है।

महिलाओं के स्मार्टफोन पर प्रतिबंध

राजस्थान के जालोर में पंचायत का बड़ा फैसला

समर न्यूज़ | जालोर

राजस्थान के जालोर जिले में पंचायत के एक फैसले ने पूरे इलाके में व्यापक चर्चा और बहस को जन्म दे दिया है। चौधरी समाज की सुंधामाता पट्टी के अंतर्गत आने वाले 15 गांवों में महिलाओं द्वारा स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर पूरी तरह रोक लगाने का निर्णय लिया गया है। पंचायत के इस फरमान के अनुसार 26 जनवरी से इन गांवों की बहू-बेटियां कैमरे वाला मोबाइल फोन अपने पास नहीं रख सकेंगी और उन्हें केवल कीपैड फोन इस्तेमाल करने की अनुमति होगी। पंचायत ने साफ किया है कि यह प्रतिबंध केवल सार्वजनिक स्थानों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शादी समारोह, सामाजिक कार्यक्रम, पारिवारिक आयोजनों और यहां तक कि पड़ोसी के घर जाते समय भी महिलाओं को मोबाइल फोन साथ ले जाने की अनुमति नहीं होगी। पंचायत का तर्क है कि इस फैसले का उद्देश्य सामाजिक अनुशासन बनाए रखना और बच्चों पर मोबाइल के बढ़ते नकारात्मक प्रभाव को रोकना है। यह निर्णय रविवार को जालोर जिले के गाजीपुर गांव में आयोजित चौधरी समाज की विशेष बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता 14 पट्टी के अध्यक्ष सुजनाराम चौधरी ने की, जिसमें समाज के वरिष्ठ पंच, ग्रामीण और विभिन्न गांवों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक के दौरान समाज के पंच हिम्मताराम ने प्रस्ताव पढ़कर सुनाया, जिसके बाद इस पर विस्तार से चर्चा की गई और अंततः सर्वसम्मति से इसे मंजूरी दी गई। समाज अध्यक्ष सुजनाराम चौधरी ने बताया कि यह मुद्दा लंबे समय से पंचायत के समक्ष उठाया जा रहा था। ग्रामीणों की शिकायत थी कि महिलाओं के पास स्मार्टफोन होने से छोटे बच्चे अत्यधिक मोबाइल इस्तेमाल करने लगे हैं, जिससे उनकी आंखों पर असर पड़ रहा है और पढ़ाई से ध्यान भटक रहा है।

समझौता न्यूज़ीलैंड ने भारत के 100 प्रतिशत निर्यात को दिया जीरो ड्यूटी मार्केट एक्सेस

युवाओं के लिए हर साल 1,667 स्किल्ड वीजा का रास्ता खुला

समर न्यूज़ | नई दिल्ली

भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच एक ऐतिहासिक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) को अंतिम रूप दे दिया गया है। यह समझौता नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 विज़न के अनुरूप तैयार किया गया है और इसे भारत के सबसे तेज़ी से पूरे हुए एफटीए में से एक माना जा रहा है। बातचीत की औपचारिक शुरुआत मार्च 2025 में हुई थी और रिकॉर्ड 9 महीनों में इसे पूरा कर लिया गया। इस एफटीए के तहत न्यूज़ीलैंड ने भारत के 100% निर्यात को ज़ीरो ड्यूटी मार्केट एक्सेस देने का फैसला किया है। इससे टेक्सटाइल, फार्मा, लेदर, इंजीनियरिंग गुड्स, ऑटोमोबाइल, कृषि उत्पाद, हस्तशिल्प और जेम्स एंड ज्वैलरी जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को बड़ा

लाभ मिलेगा। वहीं भारत ने द्विपक्षीय व्यापार के लगभग 95% हिस्से को कवर करते हुए न्यूज़ीलैंड के लिए 70% टैरिफ लाइनों में रियायत देने पर सहमति जताई है।

भारतीय युवाओं और प्रोफेशनल्स के लिए नए अवसर

इस एफटीए के जरिए भारतीयों के लिए न्यूज़ीलैंड में काम, पढ़ाई और प्रोफेशनल एक्सपीरियंस के बड़े रास्ते खुल गए हैं। समझौते के तहत हर साल 1,667 स्किल्ड वर्क वीज़ा, 5,000 टेम्पररी एम्प्लॉयमेंट एंट्री वीज़ा और 1,000 वर्क एंड हॉलीडे वीज़ा का प्रावधान किया गया है। छात्रों के लिए पोस्ट-स्टडी वर्क वीज़ा पर कोई सीमा नहीं रखी गई है। STEM विषयों में पढ़ाई करने वाले ग्रेजुएट और पोस्ट-ग्रेजुएट छात्रों को 3 साल तक, जबकि पीएचडी छात्रों को 4 साल तक न्यूज़ीलैंड में काम करने की अनुमति मिलेगी।

सर्विस सेक्टर और निवेश को रफ्तार : न्यूज़ीलैंड ने भारत को अब तक का सबसे बड़ा सर्विस मार्केट एक्सेस ऑफर दिया है, जिसमें 118 सर्विस सेक्टर शामिल हैं। इनमें आईटी, प्रोफेशनल सर्विसेज, टेलीकॉम, कंस्ट्रक्शन, टूरिज़्म, ऑडियो-विजुअल और एजुकेशन प्रमुख हैं। इसके साथ ही न्यूज़ीलैंड ने अगले 15 वर्षों में भारत में 20 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है, जिससे मैन्युफैक्चरिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर, स्टार्टअप्स और रोजगार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

कृषि और मैन्युफैक्चरिंग पर संतुलित फोकस : एफटीए के तहत सेब, कीवी और शहद के लिए एग्रीकल्चर प्रोडक्टिविटी पार्टनरशिप बनाई जाएगी और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएंगे। वहीं घरेलू किसानों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए डेयरी, दूध, कॉफी, चीनी, मसाले, खाद्य तेल और रबर जैसे संवेदनशील उत्पादों को बाजार पहुंच से बाहर रखा गया है। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को कोकिंग कोल, वुडन लॉग्स और मेटल स्क्रैप जैसे इनपुट्स ड्यूटी-फ्री मिलेंगे, जबकि फार्मा और मेडिकल डिवाइस सेक्टर को तेज़ रेगुलेटरी अप्रूवल का लाभ मिलेगा।

फोन पर हुई ऐतिहासिक घोषणा

एफटीए के सफल समापन की संयुक्त घोषणा नरेंद्र मोदी और न्यूज़ीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सोन के बीच हुई फोन वार्ता के दौरान की गई। दोनों नेताओं ने इसे ऐतिहासिक, महत्वाकांक्षी और परस्पर लाभकारी समझौता बताया।

मैं बोलूंगा तो...

हिम्मत-ए-भ्रष्टां मदद-ए-नोटों की गड्डी।

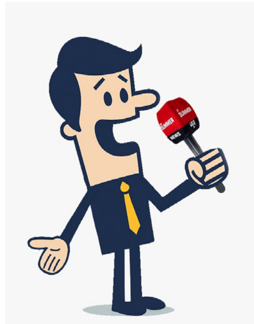

वाकई दुनिया परे से परे है! कहते हैं, “हिम्मत-ए-मर्दां मदद-ए-खुदा”, लेकिन आजकल देश में नया मुहावरा चल पड़ा है— “हिम्मत-ए-भ्रष्टां मदद-ए-नोटों की गड्डी।”

यहां हिम्मत का पैमाना नैतिकता नहीं, बल्कि नोट गिनने की मशीन बन चुकी है। साहब ने सोचा होगा कि रिश्वत कोई चाय-पानी की तरह होती है—पिलाओ और काम बनाओ। बस फर्क इतना रह गया कि सामने वाला CBI निकला, कोई लोकल थानेदार नहीं, जो दो लिफ़ाफ़ों में पिघल जाए।

सोचिए ज़रा, जिस एजेंसी को पकड़ने का हक़ मिला हो, उसी को तीन मिलियन की “डील” ऑफर कर दी जाए। ये वही आत्मविश्वास है जो सत्ता, वर्दी और काले धन के त्रिकोण से पैदा होता है। आदमी जब खुद को कानून से ऊपर समझने लगे, तब उसे लगता है कि सब कुछ नेगोशिएबल है-ईमान, ज़मीर, और शायद देश भी।

इस “ऐतिहासिक” कांड में घर से निकली करोड़ों की नक़दी मानो ये बता रही हो कि देश में अब बचत खाते नहीं, “भ्रष्टाचार खाते” चलते हैं। पति-पत्नी दोनों वर्दी में, दोनों रक्षा में—बस अंतर इतना कि एक ने देश की रक्षा की शपथ ली थी, और दूसरे ने नोटों की। यह सचमुच डबल इनकम, नो टैक्स का नया मॉडल है, जिसे देखकर चार्टर्ड अकाउंटेंट भी शर्मा जाए।

जिस रक्षा मंत्रालय को देश की सुरक्षा की ढाल कहा जाता है, अगर वहां ऐसे लोग बैठे हों तो दुश्मन को सीमा पार करने की ज़रूरत ही क्या है? दरवाज़े तो भीतर से ही खुले पड़े हैं। अब युद्ध मिसाइलों से नहीं, सूटकेस से लड़े जाते हैं। गोला-बारूद की जगह कैश काउंटर इस्तेमाल हो रहे हैं।

राजतंत्र गया, लोकतंत्र आया और अब हम रिश्वत-तंत्र में जी रहे हैं। यहां ईमानदारी फाइलों में दबा दी जाती है और भ्रष्टाचार को “प्रोसेस” का नाम दे दिया जाता है। बड़े पदों पर बैठे लोगों की भूख इतनी बढ़ चुकी है कि करोड़ों भी सिर्फ़ स्टार्टर्स लगते हैं। मेन कोर्स शायद अभी बाकी था-CBI ने बीच में ही थाली खींच ली।

कहा जा रहा है कि कई “राज़” भी बेचे गए। ये राज़ देश के थे या अलमारियों के—ये जांच तय करेगी। लेकिन इतना साफ़ है कि जब अंदरूनी सुरक्षा में ही सेंध लग जाए, तो बाहर की सुरक्षा पर भरोसा करना खुद एक व्यंग्य बन जाता है।

और अंत में वही मशहूर जुमला गूंजता है— “मोदी है तो मुमकिन है।”

अब ये आप तय करें कि मुमकिन क्या है-भ्रष्टाचार का आसमान छूता स्तर, या एक दिन सच में उसका अंत। फिलहाल तो यही सच है कि इस देश में वर्दी शरीर पर होती है, ज़मीर पर नहीं।

#MainBolungaTo, #SummerExpress, #SummerNews, #Bribe

‘वॉटर बम’ की आशंका: हिमालय में दुनिया का अब तक का सबसे पावरफुल मेगा डैम बना रहा चीन, भारत पर गहराता खतरा

असर : ब्रह्मपुत्र का अचानक पानी छोड़ने से बाढ़ आ सकती है और पानी रोकने से नदी के बड़े हिस्से सूख सकते हैं

एजेंसी । नई दिल्ली

चीन तिब्बत में यारलुंग सांगपो नदी पर एक विशाल जलविद्युत परियोजना पर तेजी से काम आगे बढ़ा रहा है। विशेषज्ञों और अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यह परियोजना भारत के लिए जल सुरक्षा, पर्यावरण संतुलन और करोड़ों लोगों की आजीविका के लिहाज से गंभीर खतरा बन सकती है। यारलुंग सांगपो नदी भारत में प्रवेश करते ही ब्रह्मपुत्र कहलाती है, और इसके प्राकृतिक प्रवाह में किसी भी बड़े हस्तक्षेप को भारत के लिए सीधा जोखिम माना जा रहा है।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, करीब 168 अरब डॉलर की इस प्रस्तावित जलविद्युत प्रणाली में लगभग 2,000 मीटर की ऊंचाई के अंतर का उपयोग किया जाएगा। इसके तहत कई बांध, जलाशय, सुरंगें और भूमिगत पावर स्टेशन बनाए जाएंगे, जिससे यह दुनिया की अब तक की सबसे जटिल और शक्तिशाली हाइड्रोपावर परियोजना बन सकती है।

भारत की चिंता केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू पहले ही इस परियोजना को “टिक-टिक करता वॉटर बम” बता चुके हैं। उनका कहना है कि चीन के पास ब्रह्मपुत्र में पानी छोड़ने और रोकने का नियंत्रण आ सकता है। अचानक पानी छोड़े जाने से भीषण बाढ़ आ सकती है, जबकि पानी रोके जाने से अहम समय पर नदी के बड़े हिस्से सूख सकते हैं।

हालांकि ब्रह्मपुत्र का बड़ा हिस्सा भारत में मानसूनी बारिश और स्थानीय सहायक नदियों से पानी पाता है, लेकिन सीएनएन के हवाले से विशेषज्ञों का कहना है कि ऊपर की ओर होने वाला नियंत्रण नदी के प्राकृतिक प्रवाह को बिगाड़ सकता है। पानी के प्रवाह में मामूली बदलाव भी असम और अरुणाचल प्रदेश के उपजाऊ मैदानों, मत्स्य पालन और भूजल पुनर्भरण पर गहरा असर डाल सकता है। ये इलाके पहले ही जलवायु परिवर्तन के दबाव में हैं।

चीन ने इन आशंकाओं को खारिज किया है। चीनी विदेश मंत्रालय का दावा है कि इस परियोजना से निचले इलाकों के देशों को कोई नुकसान नहीं होगा। हालांकि परियोजना के तकनीकी पैमाने ने चिंता और बढ़ा दी है। वॉशिंगटन स्थित स्टिमसन सेंटर के एनर्जी, वॉटर एंड सस्टेनेबिलिटी प्रोग्राम के निदेशक ब्रायन आयलर के अनुसार, यह अब तक की सबसे अत्याधुनिक जलविद्युत प्रणाली हो सकती है, लेकिन साथ ही यह सबसे जोखिम भरी परियोजनाओं में से एक भी है।

विशेषज्ञों का कहना है कि भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील और पर्यावरणीय रूप से नाजुक हिमालयी क्षेत्र में किसी भी तरह की तकनीकी चूक या दुर्घटना के परिणाम दूरगामी और विनाशकारी हो सकते हैं।

मेकांग नदी पर चीन द्वारा बनाए गए बांधों को लेकर पहले ही निचले देशों में नाराज़गी रही है। इन देशों का आरोप है कि बिजली उत्पादन के लिए पानी के प्रवाह को नियंत्रित कर चीन ने सूखे की स्थिति को और गंभीर किया।

इन घटनाक्रमों के बीच भारत की सबसे बड़ी सरकारी जलविद्युत कंपनी ने ब्रह्मपुत्र पर 11,200 मेगावाट की अपनी परियोजना को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया तेज कर दी है। माना जा रहा है कि इसके पीछे रणनीतिक और जल सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं भी हैं।

विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि एक ही नदी प्रणाली पर दोनों देशों की प्रतिस्पर्धी मेगा परियोजनाएं जोखिम को और बढ़ा सकती हैं। विश्लेषकों के अनुसार, यदि पारदर्शिता और आपसी सहयोग नहीं हुआ तो भारत और चीन के बीच बांध निर्माण की यह होड़ क्षेत्रीय स्थिरता को कमजोर कर सकती है और ब्रह्मपुत्र नदी के भविष्य के साथ-साथ उस पर निर्भर करोड़ों लोगों की ज़िंदगी को संकट में डाल सकती है।

कनाडा में दिल का दौरा पड़ने से पंजाब के युवक की मौत

एजेंसी | सरी

रोज़गार की तलाश में करीब पांच साल पहले कनाडा गए सब-डिवीजन पातड़ां के अंतर्गत आने वाले गांव मौलवीवाला निवासी माता-पिता के इकलौते बेटे की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। इस दुखद घटना से गांव और परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतक की पहचान अमर सिंह के बेटे करनवीर सिंह संधू के रूप में हुई है, जो कनाडा के सरी में रह रहा था और ट्राला (हेवी ट्रक) चलाने का काम करता था। परिजनों के अनुसार, करीब एक माह पहले करनवीर के ट्राले का हादसा हो गया था। हादसे के बाद से वह मानसिक तनाव में रहने लगा था।

परिवार ने बताया कि 20 दिसंबर की रात करनवीर अपने घर में सो रहा था, तभी अचानक उसे दिल का दौरा पड़ा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अचानक हुई इस घटना ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। माता-पिता का कहना है कि बेटा परिवार की उम्मीदों का सहारा था और उसकी असमय मौत से पूरा परिवार टूट गया है। परिजनों ने भारत सरकार और पंजाब सरकार से अपील की है कि करनवीर सिंह संधू का पार्थिव शरीर जल्द से जल्द भारत लाने के लिए हरसंभव मदद की जाए, ताकि अंतिम संस्कार गांव में किया जा सके। स्थानीय लोगों और रिश्तेदारों ने भी परिवार के प्रति संवेदना जताते हुए सरकार से सहयोग की मांग की है।

मेवाड़ राजपरिवार का संपत्ति विवाद सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

विवाद महाराजा अरविंद के बेटे लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ और उनकी बहन पद्मजा परमार के बीच

एजेंसी । नई दिल्ली

मेवाड़ के शाही परिवार में संपत्तियों के बंटवारे को लेकर लंबे समय से चला आ रहा विवाद अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। यह मामला उदयपुर स्थित सिटी पैलेस, एचआरएच होटल्स ग्रुप समेत अन्य महत्वपूर्ण संपत्तियों के नियंत्रण से जुड़ा है।

विवाद महाराजा अरविंद सिंह मेवाड़ के बेटे लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ और उनकी बहन पद्मजा कुमारी परमार के बीच चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिकाओं में अरविंद सिंह मेवाड़ की वसीयत की वैधता को चुनौती दी गई है। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ को बताया गया कि उत्तराधिकार और वसीयत को लेकर परिवार के भीतर कई मुकदमे अलग-अलग हाईकोर्ट में लंबित हैं।

लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ की ओर से बॉम्बे हाईकोर्ट में लंबित मामलों को राजस्थान हाईकोर्ट स्थानांतरित करने की मांग की गई थी, जबकि पद्मजा कुमारी ने जोधपुर बेंच, राजस्थान हाईकोर्ट के मामलों को बॉम्बे हाईकोर्ट भेजने का अनुरोध किया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया कि सभी संबंधित मुकदमों को एक ही अदालत में सुना जाना चाहिए। इसके बाद अदालत ने सभी मामलों को दिल्ली हाईकोर्ट ट्रांसफर करने का आदेश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट और राजस्थान हाईकोर्ट को निर्देश दिए हैं कि वे सभी संबंधित केस दस्तावेज दिल्ली हाईकोर्ट को भेजें। दिल्ली हाईकोर्ट में इस विवाद की सुनवाई जनवरी 2026 में होगी। वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतागी ने अदालत को बताया कि एक अलग आवेदन प्रशासक (एडमिनिस्ट्रेटर) की नियुक्ति को लेकर भी लंबित है, क्योंकि विवाद में बड़ी मात्रा में आभूषण और अन्य मूल्यवान चल संपत्तियां शामिल हैं।

मेवाड़ रियासत का इतिहास भी इस विवाद से जुड़ा रहा है। 1930 से 1955 तक महाराणा भूपाल सिंह ने शासन किया था। संतान न होने के कारण उन्होंने भगवत सिंह मेवाड़ को गोद लिया। 1983 में पारिवारिक संपत्तियों को बेचने और लीज पर देने के निर्णय के बाद विवाद की शुरुआत हुई, जो दशकों तक अदालतों में चलता रहा। 2020 में उदयपुर की जिला अदालत ने संपत्तियों को चार हिस्सों में बांटने का आदेश दिया था।

इसी साल मार्च में अरविंद सिंह मेवाड़ के निधन के बाद यह विवाद फिर तेज हो गया। वर्तमान में लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ और उनकी बहन पद्मजा कुमारी के बीच संपत्तियों के बंटवारे को लेकर कानूनी लड़ाई जारी है, जिस पर अब दिल्ली हाईकोर्ट में एक साथ सुनवाई होगी।

E20 ईंधन पर सरकार का रुख साफ

गैर-अनुकूल वाहन हटाने की कोई योजना नहीं

समर न्यूज़ । नई दिल्ली /चंडीगढ़

अप्रैल 2025 से देशभर में E20 पेट्रोल अनिवार्य होने के बाद पेट्रोल वाहन उपयोगकर्ताओं की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। कई लोगों का कहना है कि E20 ईंधन से उनकी गाड़ियों का माइलेज घटा है, इंजन की परफॉर्मेंस प्रभावित हुई है और रखरखाव का खर्च बढ़ गया है। हालांकि इन आशंकाओं के बीच केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में सरकार का रुख स्पष्ट कर दिया है।

तृणमूल कांग्रेस के सांसद जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया के सवाल का जवाब देते हुए गडकरी ने कहा कि E20 मानकों के अनुरूप नहीं होने वाले वाहनों को न तो सड़कों से हटाने और न ही उनमें किसी तरह का बदलाव करने की कोई योजना है। उन्होंने बताया कि ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन और सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स की संयुक्त स्टडी के आधार पर सरकार इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि ऐसे किसी कदम की जरूरत नहीं है।

गडकरी के मुताबिक, E20 के इस्तेमाल से होने वाली सामान्य घिसावट को नियमित सर्विसिंग के जरिए संभाला जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकांश मामलों में E20 ईंधन से गाड़ियों की स्टार्टिंग, ड्राइविंग, या मेटल-प्लास्टिक पार्ट्स की संगतता को लेकर कोई गंभीर समस्या सामने नहीं आई है।

हालांकि जमीनी स्तर पर तस्वीर कुछ और दिखाती है। हालिया सर्वे के अनुसार, 2022 या उससे पहले खरीदी गई पेट्रोल गाड़ियों के मालिकों में से 10 में से 8 ने 2025 में माइलेज घटने की शिकायत की है। अगस्त में यह आंकड़ा 67 प्रतिशत था, जो अक्टूबर तक बढ़कर 80 प्रतिशत हो गया। सर्वे में शामिल 52 प्रतिशत वाहन मालिकों ने इंजन, फ्यूल लाइन, टैंक या कार्बोरेटर जैसे हिस्सों में असामान्य घिसावट या मरम्मत की जरूरत बताई—जो अगस्त में 28 प्रतिशत थी।

जब संसद में यह सवाल उठा कि देश में कितनी गाड़ियां E20 मानकों के अनुरूप नहीं हैं, तो मंत्री ने कोई सटीक आंकड़ा नहीं दिया। उन्होंने केवल यह स्पष्ट किया कि 1 अप्रैल 2023 से पहले बेची गई पेट्रोल गाड़ियां E10 के अनुरूप हैं, जबकि उसके बाद बनी गाड़ियां E20 के लिए तैयार की गई हैं।

पिछले 15 वर्षों में बिकी पेट्रोल गाड़ियों में से केवल लगभग 20 प्रतिशत ही E20 ब्लेंड के लिए पूरी तरह अनुकूल थीं। यानी देश की बड़ी संख्या में पुरानी गाड़ियां तकनीकी रूप से E20 के लिए तैयार नहीं हैं। इसके बावजूद सरकार का कहना है कि इससे किसी बड़े स्तर की समस्या पैदा होने की आशंका नहीं है और मौजूदा व्यवस्था के साथ ही आगे बढ़ा जाएगा।

पेज 3 एंकर स्टोरी

सरकार का आरोप है कि नेहरू से जुड़े 51 बक्सों में रखे दस्तावेज गांधी परिवार लौटा नहीं रहा

नेहरू की चिट्ठियां : निजी विरासत या राष्ट्रीय धरोहर

समर न्यूज़ | नई दिल्ली

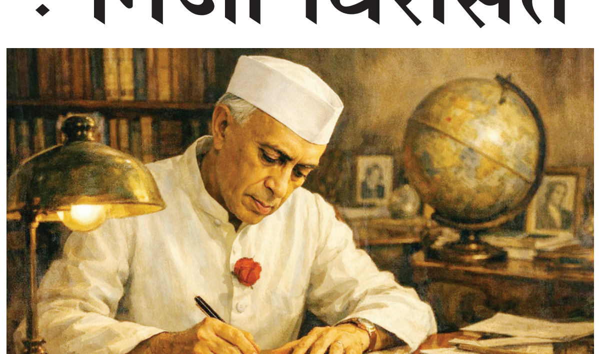

जवाहरलाल नेहरू द्वारा एडविना माउंटबेटन को लिखी गई चिट्ठियां आज भी सार्वजनिक पहुंच से बाहर हैं। एडविना माउंटबेटन, भारत के आखिरी ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड लुई माउंटबेटन की पत्नी थीं और नेहरू के साथ उनकी गहरी मित्रता रही। माउंटबेटन परिवार के कुछ सदस्यों, विशेषकर एडविना की बेटी पामेला हिक्स, ने इन पत्रों को देखने की बात स्वीकार की है। पामेला हिक्स ने अपनी पुस्तक डॉटर ऑफ एम्पायर: लाइफ ऐज़ ए माउंटबेटन में इनका उल्लेख किया है।

जवाहरलाल नेहरू की चिट्ठियां केवल निजी संवाद नहीं, बल्कि समकालीन राजनीति, समाज और भारत की वैश्विक सोच का जीवंत दस्तावेज मानी जाती हैं। इनमें सांप्रदायिकता, राष्ट्रवाद, सामाजिक न्याय और अंतरराष्ट्रीय संबंधों जैसे विषयों पर उनके विचार झलकते हैं। यही वजह है कि आज के राजनीतिक परिदृश्य में ये पत्र एक बार फिर बहस के केंद्र में आ गए हैं।

नेहरू न सिर्फ एक कुशल राजनेता थे, बल्कि एक संवेदनशील लेखक और गंभीर विचारक भी थे। पत्र लेखन उनके विचारों की अभिव्यक्ति का महत्वपूर्ण माध्यम था।

उन्होंने अपने जीवनकाल में हजारों चिट्ठियां लिखीं—बेटी इंदिरा गांधी से लेकर राज्यों के मुख्यमंत्रियों और देश-विदेश की कई प्रतिष्ठित हस्तियों तक। इनमें अल्बर्ट आइंस्टीन, विजया लक्ष्मी पंडित, गोविंद बल्लभ पंत, जयप्रकाश नारायण, जगजीवन राम और एडविना माउंटबेटन जैसे नाम शामिल हैं।

अब केंद्र सरकार इन दस्तावेजों को सार्वजनिक अभिलेखागार में लाने की मांग कर रही है। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का कहना है कि ये चिट्ठियां निजी पारिवारिक दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत के पहले प्रधानमंत्री से जुड़े महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभिलेख हैं। उनके अनुसार, लोकतंत्र की बुनियाद पारदर्शिता है और ऐसे दस्तावेजों को शोधकर्ताओं व आम नागरिकों के लिए उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

सरकार का आरोप है कि वर्ष 2008 में जवाहरलाल नेहरू से जुड़े 51 बक्सों में रखे दस्तावेज प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय (तत्कालीन नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी) से गांधी परिवार द्वारा वापस ले लिए गए थे। PMML सोसाइटी के सदस्यों ने हाल के वर्षों में इन दस्तावेजों को लौटाने के लिए कई बार पत्राचार किया, लेकिन अब तक उन्हें वापस नहीं किया गया।

शेखावत ने सवाल उठाया है कि आखिर इतने अहम ऐतिहासिक दस्तावेज सार्वजनिक अभिलेखागार से बाहर क्यों रखे गए हैं। उनका कहना है कि इन पत्रों के माध्यम से नेहरू के जीवन और उनके दौर को तथ्यों के आधार पर समझने का अवसर मिल सकता है।

गौरतलब है कि तीन मूर्ति भवन, जो कभी जवाहरलाल नेहरू का आधिकारिक निवास था, बाद में नेहरू मेमोरियल म्यूजियम और लाइब्रेरी बना और अब प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय (PMML) के नाम से जाना जाता है। यह संस्थान भारत के राजनीतिक इतिहास से जुड़े दुर्लभ दस्तावेजों और अभिलेखों का प्रमुख केंद्र रहा है।

नेहरू की चिट्ठियों को लेकर उठी यह बहस अब सिर्फ इतिहास तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह सवाल भी खड़ा कर रही है कि क्या ऐसी विरासत निजी दायरे में रहनी चाहिए या फिर राष्ट्र की साझा धरोहर के रूप में सार्वजनिक होनी चाहिए।

Good DAY

समर न्यूज़ | लुधियाना

नया दिन नई उम्मीदों, नए अवसरों और नई ऊर्जा के साथ आपके जीवन में प्रवेश कर रहा है। आज का दिन आपको यह याद दिलाए कि हर सुबह एक नई शुरुआत होती है और बीते कल की गलतियों या चिंताओं को पीछे छोड़कर आगे बढ़ने का मौका देती है। जीवन की दौड़ में कभी रुककर गहरी सांस लेना भी जरूरी है, ताकि मन शांत रहे और सोच सकारात्मक बनी रहे।

इकनूर कौर
फाउंडर आईकौर'स एंड हैंडमेड इन इंडिया

पूर्व विधायकों को पेंशन और भत्तों में दी गई बड़ी राहत, 550 पूर्व विधायकों को मिलेगा इसका लाभ

हरियाणा विधानसभा सत्र का तीसरा दिनः वेतन-भत्ता संशोधन विधेयक 2025 सर्वसम्मति से पारित

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

हरियाणा विधानसभा के विंटर सेशन का सोमवार को तीसरा दिन हंगामेदार और महत्वपूर्ण निर्णयों से भरा रहा। लंच के बाद सदन में हरियाणा विधानसभा (वेतन, भत्ता और पेंशन) संशोधन विधेयक, 2025 पेश किया गया, जिसे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सदन के समक्ष रखा। इस विधेयक को सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। इस संशोधन विधेयक के तहत राज्य के करीब 550 पूर्व विधायकों को आर्थिक राहत मिलेगी। विधेयक में मासिक पेंशन, महंगाई राहत और विशेष यात्रा भत्ते पर लगी 1 लाख रुपये की अधिकतम सीमा को समाप्त करने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा पूर्व विधायकों को यात्रा भत्ते के रूप में प्रति माह 10 हजार रुपये तक की राशि दिए जाने का भी प्रस्ताव शामिल है। सरकार का कहना है कि बढ़ती महंगाई को देखते हुए यह कदम आवश्यक था।

विधानसभा के दौरान की तस्वीर। - समर न्यूज

सदन की कार्यवाही के दौरान शून्यकाल में स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने जानकारी दी कि भाजपा विधायक शक्ति रानी शर्मा द्वारा कांग्रेस विधायक इंदूराज नरवाल के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव (प्रिविलेज मोशन) दिया गया है, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। शक्ति रानी शर्मा ने कहा कि सदन में उनके परिवार पर आरोप लगाए गए, इसलिए वे यह प्रस्ताव लेकर आई हैं। स्पीकर द्वारा अन्य सदस्यों की राय लेने के बाद 15 से अधिक विधायकों ने प्रस्ताव का समर्थन किया, जिसके बाद मामला विशेषाधिकार समिति को भेज दिया गया। इस पर नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने आपत्ति जताई, हालांकि स्पीकर ने उनकी आपत्ति को खारिज कर दिया। प्रश्नकाल के दौरान नूंह से कांग्रेस विधायक आफताब अहमद ने अपने विधानसभा क्षेत्र में जलभराव की समस्या उठाई। जवाब में कैबिनेट मंत्री रणवीर गंगवा ने बताया कि 18 करोड़ रुपये का टेंडर जारी कर दिया गया है और आउटर एरिया से पानी की निकासी कर दी गई है। इस पर कांग्रेस विधायक और मंत्री के बीच तीखी बहस देखने को मिली। मंत्री राव नरबीर सिंह ने भरोसा दिलाया कि आगामी ग्रीवांस कमेटी की बैठक में इस समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाएगा। इस बीच स्पीकर ने यह भी बताया कि जुलाना से कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट की तबीयत खराब होने के कारण वे सदन की कार्यवाही में शामिल नहीं हो सकीं। भाजपा विधायक राम कुमार गौतम ने मुख्यमंत्री नायब सैनी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर से भी बेहतर काम किया है।

2014 से पहले हमें हर साल 4 स्पेशलिस्ट डॉक्टर मिलते थे, आज 200 मिलतेः सैनी

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। इसी दिशा में जिला स्तर पर सभी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित अस्पताल विकसित किए जा रहे हैं। अब तक 10 आधुनिक अस्पताल जनता को समर्पित किए जा चुके हैं, जिनमें सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड, एमआरआई और लैबोरेट्री जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जबकि 22 अन्य अस्पतालों पर निर्माण कार्य प्रगति पर है।

सोमवार को हरियाणा विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान प्रश्नकाल में विधायक मामन खान द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व सरकारों ने स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया, जिसके कारण लोगों को निजी क्षेत्र पर निर्भर रहना पड़ता था।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी। - समर न्यूज़

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले प्रदेश में हर साल केवल चार स्पेशलिस्ट डॉक्टर मिलते थे, जबकि आज यह संख्या बढ़कर लगभग 200 तक पहुंच गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 2014 में एमबीबीएस सीटों की संख्या करीब 700 थी, जिसे वर्तमान सरकार के प्रयासों से बढ़ाकर 2500 से अधिक कर दिया गया है। सरकारी अस्पतालों में मरीजों को दवाइयां और सभी आवश्यक जांच सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि अस्पतालों की क्षमता बढ़ाने के लिए 30 बेड वाले अस्पतालों को 50 बेड, 50 को 100 बेड, 100 को 200 बेड और 200 बेड वाले अस्पतालों को 400 बेड में अपग्रेड किया गया है। साथ ही प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या भी बढ़ाई गई है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि इलाज के साथ-साथ अस्पतालों में स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

हांसी को 23वां जिला बनाने की अधिसूचना जारी हुई

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

हांसी को जिला बनाने का इंतजार खत्म हो गया है। राज्य सरकार ने हांसी को नया जिला घोषित करने की अधिसूचना जारी कर दी है। यह नोटिफिकेशन राजस्व विभाग द्वारा राज्यपाल की ओर से जारी किया गया है, जिसमें राज्यपाल द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए हांसी को जिला बनाए जाने की घोषणा की गई है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 16 दिसंबर को हांसी में आयोजित विकास रैली के दौरान हांसी को जिला बनाने की घोषणा की थी और कहा था कि एक सप्ताह के भीतर इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री के ऐलान के अनुरूप सोमवार को एक सप्ताह की अवधि पूरी होते ही अधिसूचना जारी कर दी गई। हांसी जिले के गठन के तहत नारनौंद उपमंडल को भी नए जिले में शामिल किया गया है। उल्लेखनीय है कि 16 दिसंबर को हांसी की नई ऑटो मार्केट में आयोजित हांसी विकास रैली में मुख्यमंत्री नायब सैनी पहुंचे थे, जहां उन्होंने हांसी को हरियाणा का 23वां जिला बनाने की घोषणा की थी।

जल्द होगी डीसी व अन्य अधिकारियों की नियुक्ति

अब हांसी में डीसी सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों की नियुक्ति का इंतजार है। अग्रिम आदेशों तक डीसी की नियुक्ति संबंधी आदेश जारी किए जाएंगे। संभावना जताई जा रही है कि फिलहाल हिसार के डीसी को अतिरिक्त कार्यभार सौंपा जा सकता है। हांसी के जिला बनने से क्षेत्र के प्रशासनिक कार्यों में तेजी आएगी और आम जनता को सरकारी सेवाएं और अधिक सुगमता से उपलब्ध हो सकेंगी।

एक के पैर में लगी गोली, तीन गिरफ्तार, ढाई करोड़ की रंगदारी मांगने वाले आरोपी दबोचे

नौल्था के पास एसटीएफ सीआईए की बदमाशों से मुठभेड़

समर न्यूज़ | पानीपत

हरियाणा के पानीपत जिले में देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। इसराना थाना क्षेत्र के नौल्था गांव के पास सोनीपत एसटीएफ यूनिट और सीआईए-1 पानीपत की संयुक्त टीम ने चार बदमाशों को घेर लिया। मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लगी, जबकि उसके तीन साथी पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिए। घायल बदमाश की पहचान शहमालपुर निवासी परमीत के रूप में हुई है, जिसे इलाज के लिए पानीपत सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं गिरफ्तार किए गए तीन अन्य आरोपियों की पहचान देवेंद्र, साहिल और अमन के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो विदेशी पिस्टल, एक देसी कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पकड़े गए बदमाश वही हैं जिन्होंने हाल ही में पानीपत सेक्टर-12 निवासी व्यापारी यशपाल गर्ग से खुद को बंबीहा गैंग का सदस्य बताकर ढाई करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी।

घायल के साथ सीआईए टीम। - समर न्यूज

आरोपियों ने 18 दिसंबर की सुबह व्यापारी को व्हाट्सऐप कॉल कर धमकी दी थी। व्यापारी यशपाल गर्ग ने थाना चांदनी बाग में दी शिकायत में बताया था कि 18 दिसंबर को सुबह करीब 11:08 बजे एक अज्ञात नंबर से व्हाट्सऐप कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को संदीप राणा बताते हुए बंबीहा गैंग से जुड़ा होने का दावा किया और रंगदारी मांगी। कॉल काटने के बाद उसी नंबर से कई बार कॉल आईं। बाद में एक अन्य नंबर से व्हाट्सऐप पर ऑडियो मैसेज भी भेजा गया, जिसे तुरंत डिलीट कर दिया गया।

फायरिंग करने की फिराक में थे आरोपी : शिकायत के आधार पर चांदनी बाग थाना पुलिस ने धारा 308(2) बीएनएस के तहत अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर साइबर सेल को जांच सौंपी थी। कॉल करने वालों की लोकेशन और पहचान ट्रेस की जा रही थी। लगातार ट्रेसिंग के बाद पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी इसराना थाना क्षेत्र में आने वाले हैं। इसके बाद एसटीएफ और सीआईए टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए सोमवार तड़के नौल्था गांव के पास बदमाशों को घेर लिया। पुलिस को देखते ही बदमाशों ने फायरिंग कर दी, जिस पर पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। इसमें परमीत के पैर में गोली लगी। पानीपत सीआईए इंस्पेक्टर फूल कुमार ने बताया कि आरोपी रंगदारी के मामले में फायरिंग की वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे।

धुंध में हाईवे पर डिवाइडर से टकरा बाइक सवार मरा

समर न्यूज़ | करनाल

जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर सोमवार सुबह घनी धुंध एक युवक के लिए काल बन गई। काम पर जा रहे बाइक सवार युवक की मोटरसाइकिल हाईवे पर बने डिवाइडर से टकरा गई।

हादसा इतना भीषण था कि युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। हादसे में जान गंवाने वाले युवक की पहचान बसंत विहार निवासी 20 वर्षीय अभिषेक के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि सोमवार सुबह अभिषेक अपनी बाइक से काम पर जा रहा था। नमस्ते चौक, मेरठ रोड के पास घनी धुंध के कारण उसे आगे का रास्ता स्पष्ट दिखाई नहीं दिया और बाइक डिवाइडर पर चढ़ गई। संतुलन बिगड़ने से वह सड़क पर गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों की मदद से अभिषेक को गंभीर हालत में करनाल के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों के अनुसार अभिषेक अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला था। परिवार में उसकी मां और एक छोटा भाई है। करीब तीन साल पहले उसके पिता की हार्ट अटैक से मौत हो चुकी थी। पिता के निधन के बाद घर की जिम्मेदारियां अभिषेक के कंधों पर आ गई थीं। पढ़ाई पूरी करने के बाद उसने परिवार के भरण-पोषण के लिए एक शैलर में नौकरी शुरू की थी, लेकिन इस हादसे ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया।

बस ने बाइक सवार दो युवकों को कुचला

समर न्यूज़ | करनाल

घरौंडा के पुराने बस स्टैंड के समीप सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। तेज रफ्तार हरियाणा रोडवेज की बस ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों युवक बस के नीचे आ गए। हादसे के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया और गुस्साए लोगों ने सड़क जाम कर दिया। हरियाणा रोडवेज रोहतक डिपो की बस चंडीगढ़ से रोहतक की ओर जा रही थी। जब बस पुराने बस स्टैंड के पास अग्निशमन केंद्र के सामने पहुंची, तभी घरौंडा से पानीपत की ओर जा रही बाइक को बस ने टक्कर मार दी। बाइक सवार दोनों युवक मौके पर ही दम तोड़ बैठे। हादसे के बाद बस चालक बस लेकर मौके से फरार होने का प्रयास करने लगा, लेकिन स्थानीय लोगों ने बस को घेर लिया। हालांकि चालक मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया।

विरोध प्रदर्शन करते हुए लोग। - समर न्यूज़

आक्रोशित लोगों ने बस की चाबी निकाल ली और सेन चौक पर बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो गए। इसके बाद हरियाणा रोडवेज के खिलाफ नारेबाजी करते हुए बस पर पथराव किया गया, जिससे बस के शीशे टूट गए। घटना से नाराज लोगों ने सड़क पर जाम लगा दिया, जिसके चलते करीब आधे घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा। सूचना मिलने पर पुलिस बल मौके पर पहुंचा और लोगों को समझाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने जाम खुलवाया और यातायात को सुचारू कराया। मृतकों की पहचान गढ़ शरनाई निवासी 28 वर्षीय इंदर कुमार और उत्तर प्रदेश के जिला बागपत के गांव नागल निवासी सचिन कुमार के रूप में हुई है। दोनों युवक गांव अलीपुरा स्थित एक फैक्ट्री में मजदूरी करते थे और किसी काम से घरौंडा आए हुए थे। जांच अधिकारी उमेश त्यागी ने बताया कि हादसा हरियाणा रोडवेज रोहतक डिपो की बस द्वारा बाइक को टक्कर मारने से हुआ है।

साइबर टीम से छह लाख रुपए बरामद, 3 पुलिसकर्मी निलंबित

समर न्यूज़ | सिरसा

एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) राजस्थान की टीम द्वारा सिरसा की साइबर क्राइम टीम से छह लाख रुपये नकद बरामदगी के मामले में पुलिस अधीक्षक दीपक सहारन ने कड़ी कार्रवाई की है। एसपी ने तीन पुलिस कर्मचारियों को निलंबित कर पुलिस लाइन भेज दिया है। वहीं, इस पूरे मामले की जांच राजस्थान एसीबी द्वारा की जा रही है। जानकारी के अनुसार यह मामला रविवार देर रात पुलिस अधीक्षक के संज्ञान में आया था। इसके बाद सोमवार सुबह एसपी को मामले की विस्तृत रिपोर्ट प्राप्त हुई। रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई करते हुए पीएसओ सुरेंद्र, हेड कांस्टेबल वीरेंद्र और कांस्टेबल जगजीत सिंह को निलंबित किया गया है।

राजस्थान में जांच के दौरान हरियाणा पुलिस की दो अलग-अलग टीमों पर रिश्वतखोरी के गंभीर आरोप सामने आए हैं। आरोप है कि पुलिस टीमें साइबर फ्रॉड मामलों की आड़ में लोगों को धमकाकर पैसे वसूल रही थीं। इसी क्रम में सिरसा साइबर क्राइम टीम की गाड़ी से छह लाख रुपये नकद बरामद किए गए, जिसे साइबर क्राइम के नाम पर वसूली गई रिश्वत बताया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक राजस्थान एंटी करप्शन ब्यूरो को सूचना मिली थी कि कुछ पुलिस टीमें राजस्थान में साइबर फ्रॉड मामलों को लेकर अवैध वसूली कर रही हैं। जब सिरसा थाने की पुलिस टीम राजसमंद से लौट रही थी, तभी कचामन सिटी थाना क्षेत्र में उन्हें रोककर जांच की गई। जांच के दौरान वाहन से छह लाख रुपये नकद बरामद हुए, जिसका टीम कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सकी।

नाले में गिरने से 42 वर्षीय व्यक्ति की मौत

जवाहर कॉलोनी में युवक के नशे की हालत में होने की आशंका जताई

समर न्यूज़ | फरीदाबाद

जिले के सारन थाना क्षेत्र अंतर्गत जवाहर कॉलोनी स्थित 60 फीट रोड पर रविवार देर रात एक व्यक्ति की नाले में गिरने से मौत हो गई। मृतक की उम्र करीब 42 वर्ष बताई जा रही है। घटना प्लॉट नंबर-1 के पास बने बड़े नाले में हुई, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मृतक घटना से कुछ समय पहले पास ही एक फर्नीचर की दुकान के बाहर नशे की हालत में बैठा हुआ था। फर्नीचर दुकान पर काम करने वाले बृजलाल ने बताया कि व्यक्ति दुकान के साथ बने बड़े नाले की दीवार के पास करीब 10 से 15 मिनट तक बैठा रहा। इसी दौरान दुकान पर ग्राहक आने पर वे अंदर चले गए। जब वे वापस बाहर आए तो उन्होंने देखा कि व्यक्ति उल्टे मुंह नाले में गिरा हुआ है। पहले उन्हें लगा कि उसकी जैकेट नाले में गिरी है, लेकिन डंडे से जांच करने पर पता चला कि व्यक्ति नाले में गिर चुका है।

नाले के पास पड़ा युवक का शव। - समर न्यूज़

इसके बाद आसपास मौजूद लोगों को बुलाया गया और सभी ने मिलकर उसे नाले से बाहर निकाला। उस समय उसकी सांसें चल रही थीं। सूचना मिलने पर सारन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल व्यक्ति को इलाज के लिए सिविल अस्पताल फरीदाबाद ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में नशे की हालत में नाले में गिरने से मौत होने की आशंका जताई जा रही है।

दिशा बैठक

नगर परिषद घोटालों पर अधिकारियों की लगाई क्लास, विजिलेंस जांच के आदेश

मंत्री ने घोटाले की सूची रख अफसरों से पूछे सवाल

समर न्यूज़ | पलवल

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने पलवल लघु सचिवालय में आयोजित दिशा (जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति) की बैठक में नगर परिषद में कथित घोटालों को लेकर अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। बैठक के दौरान उन्होंने घोटालों की सूची सामने रखकर एक-एक कर अधिकारियों से सवाल-जवाब किए, लेकिन अधिकांश मामलों में अधिकारी संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। बैठक के दौरान जब स्थानीय भाजपा जिला अध्यक्ष ने बीच में हस्तक्षेप किया, तो केंद्रीय राज्यमंत्री ने सभी के सामने उन्हें भी सख्त लहजे में हड़काते हुए कहा कि मीटिंग मैं ले रहा हूं, आप चुप बैठिए। इस दौरान बैठक में मौजूद अन्य अधिकारी भी असहज नजर आए और कई बार सवालों पर बगल झांकते दिखाई दिए।

केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर अधिकारियों के साथ बैठक लेते हुए। - समर न्यूज़

कृष्णपाल गुर्जर ने नगर परिषद से अवैध रूप से निकाली गई राशि, कार्यरत कर्मचारियों और भर्ती किए गए कर्मचारियों की संख्या में अंतर सहित कई बिंदुओं पर जिला नगर आयुक्त से जवाब मांगा, लेकिन स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई। इस पर मंत्री का रुख और सख्त हो गया। घोटालों को गंभीर मानते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री ने नगर परिषद के मामलों की विजिलेंस जांच के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार में भ्रष्टाचार के लिए कोई स्थान नहीं है। नगर परिषद को लेकर लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं, इसलिए अब विजिलेंस जांच कराई जा रही है। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बस स्टैंड के बाहर तख्त पर मिली लाश

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद होगी मौत के कारणों की पुष्टि

समर न्यूज़ | कैथल

जिले में बस स्टैंड के मुख्य गेट के सामने ऑटो स्टैंड की ओर एक तख्त पर करीब 40 वर्षीय व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।

सुबह शव दिखाई देने पर ऑटो चालकों ने तुरंत इसकी सूचना डायल 112 और सिविल लाइन थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए नागरिक अस्पताल भिजवाया। मृतक की पहचान गांव करोड़ा निवासी संजय के रूप में हुई है। पुलिस की प्राथमिक जांच में सामने आया है कि मृतक ने किसी प्रकार का नशा किया हुआ था, जिसके कारण वह वहीं गिर गया।

अत्यधिक ठंड के चलते उसकी मौत होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस द्वारा तलाशी लेने पर मृतक की जेब से मोबाइल फोन और आधार कार्ड बरामद हुआ, जिससे उसकी पहचान सुनिश्चित हो सकी।

मृतक का शव उठाते हुए लोग। - समर न्यूज़

सिविल लाइन थाना से मौके पर पहुंचे जांच अधिकारी कुलदीप कुमार ने बताया कि उन्हें सुबह करीब 9 बजे बस स्टैंड परिसर में एक व्यक्ति का शव पड़े होने की सूचना मिली थी।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए नागरिक अस्पताल भेज दिया गया है।

पुलिस ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की पुष्टि होगी। मृतक के परिजनों के बयान दर्ज कर आगामी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अंबाला कोर्ट फायरिंग मामले में दो इनामी बदमाश गिरफ्तार

समर न्यूज़ | अंबाला

अंबाला कोर्ट कॉम्प्लेक्स में गैंगवार के दौरान फायरिंग के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने इस सनसनीखेज वारदात में शामिल दो इनामी बदमाशों को नेपाल बॉर्डर के नजदीक गोरखपुर से गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों पर 5-5 हजार रुपये का इनाम घोषित था। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान शिवम और काका के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी कुख्यात अमन बॉन्ड गैंग के सक्रिय सदस्य हैं और इनके खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। यह कार्रवाई CIA-1 अंबाला की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर की। CIA-1 के इंचार्ज हरजिंदर ने बताया कि अंबाला कोर्ट कॉम्प्लेक्स के गेट पर हुई फायरिंग की घटना के बाद से दोनों आरोपी फरार चल रहे थे।

पंचायत चुनाव टालने को लेकर दायर याचिका पर बहस आज

समर न्यूज़ | शिमला

हिमाचल प्रदेश में पंचायत चुनाव में हो रही देरी को लेकर हिमाचल हाईकोर्ट में मंगलवार को अहम सुनवाई होने जा रही है। पंचायत चुनाव समय पर न कराए जाने के खिलाफ दायर जनहित याचिका (PIL) पर अदालत राज्य सरकार और स्टेट इलेक्शन कमीशन से जवाब मांगेगी। पिछली सुनवाई में ही हाईकोर्ट ने दोनों को नोटिस जारी करते हुए चुनाव टालने के कारण स्पष्ट करने को कहा था। बीते गुरुवार को हुई सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट का रुख सख्त नजर आया था।

अदालत ने सीधे तौर पर सरकार से सवाल किया था कि पंचायत चुनाव क्यों नहीं कराए जा रहे हैं। आज सरकार को लिखित जवाब के जरिए कोर्ट को यह बताना होगा कि चुनाव टालने की वास्तविक वजह क्या है। ऐसे में आज की सुनवाई पर पूरे प्रदेश की निगाहें टिकी हुई हैं। प्रदेश में पंचायत चुनाव अब पूरी तरह कोर्ट के फैसले पर निर्भर हो गए हैं। राज्य सरकार आपदा का हवाला देते हुए चुनाव कराने को फिलहाल तैयार नहीं है। इसी के खिलाफ एडवोकेट मंदीप चंदेल ने जनहित याचिका दायर की है। याचिकाकर्ता का कहना है कि डिजास्टर की आड़ लेकर चुनाव अनिश्चितकाल तक नहीं टाले जा सकते और समय पर चुनाव कराना संवैधानिक जिम्मेदारी है। याचिका में बताया गया है कि पिछली पंचायत चुनाव प्रक्रिया दिसंबर 2020 से जनवरी 2021 के बीच तीन चरणों में पूरी हुई थी। संविधान के अनुच्छेद 243-ई के तहत पंचायतों का कार्यकाल पांच साल से अधिक नहीं हो सकता और मौजूदा प्रतिनिधियों का कार्यकाल खत्म होने से पहले चुनाव कराना अनिवार्य है।

मां को ढूंढते रह गए दो मासूम बच्चे

बीमार पति को छोड़कर चली गई महिला, पति की मौत

15 दिन से लापता महिला की तलाश में जुटी पुलिस; पड़ोसी संभाल रहे बच्चों को

समर न्यूज़ | तीसा

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले से मानवता को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। तीसा उपमंडल के दलेला गांव में एक महिला अपने बीमार पति को घर पर छोड़कर चली गई और उसी रात पति ने दम तोड़ दिया। इसके बाद से महिला 15 दिन से लापता है, जबकि पांच और नौ साल के दो मासूम बच्चे मां की राह ताकते हुए बेसहारा हो गए हैं।

जानकारी के अनुसार, महिला अपने दोनों बच्चों को बीमार पति के पास छोड़कर घर से चली गई थी। उसी रात पति की बीमारी के चलते मौत हो गई। पिता की मौत के बाद बच्चों की दुनिया उजड़ गई और अब उनकी देखभाल पड़ोसी कर रहे हैं। बच्चे हर किसी से बस यही सवाल पूछते हैं मां कहां है, कब आएगी

रविवार को दलेला गांव निवासी खेमराज पुत्र सूरत राम ने पुलिस थाना तीसा में शिकायत दर्ज करवाई। उन्होंने बताया कि हितेश कुमारी पत्नी स्वर्गीय नेहरू लाल 15 दिन से लापता है।

महिला पहले भी कई बार बच्चों को छोड़कर मायके चली जाती थी और कुछ दिनों बाद लौट आती थी, लेकिन इस बार मायके वालों को भी उसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। खेमराज ने बताया कि वे बच्चों को अपने स्तर पर संभाल रहे हैं, लेकिन छोटे बच्चे अपनी मां को लगातार याद कर रहे हैं।

पांच वर्षीय मासूम तो यह भी नहीं जानता कि उसके पिता अब कभी वापस नहीं आएंगे।

पुलिस अधीक्षक चंबा विजय कुमार सकलानी ने बताया कि शिकायत के आधार पर महिला की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस हर संभावित स्थान पर महिला को ढूंढने का प्रयास कर रही है।

गौरतलब है कि इससे पहले भी चंबा जिले की भजोत्रा पंचायत में इसी तरह का मामला सामने आया था, जहां एक महिला चार बच्चों को बेसहारा छोड़कर चली गई थी। लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों ने समाज और प्रशासन दोनों को सोचने पर मजबूर कर दिया है।

धर्मशाला में चार दिन बाद ठंड से राहत

मैदानी इलाकों में कोहरा, पहाड़ों पर हल्की बर्फबारी-बारिश की संभावना

राहूल | धर्मशाला
समर न्यूज़

प्रदेश की दूसरी राजधानी धर्मशाला में बीते चार दिनों से पड़ रही कड़ाके की ठंड के बाद सोमवार को लोगों को राहत मिली है। आज तापमान में बढ़ोतरी के चलते दिन के समय हल्की गर्मी का एहसास होने की संभावना है। हालांकि सुबह के समय मैदानी इलाकों, खासकर पोंग डैम से सटे क्षेत्रों में घना कोहरा देखने को मिल रहा है। कोहरे के कारण वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मौसम विभाग के अनुसार आज पहाड़ी क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी जबकि मैदानी इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है। बीते रविवार को धर्मशाला के कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी भी दर्ज की गई थी। मौसम में इस बदलाव से जहां लोगों को ठंड से राहत मिली है, वहीं किसानों और बागवानों के लिए यह मौसम फायदेमंद माना जा रहा है।

मनरेगा के समर्थन में कांग्रेस का प्रदर्शन

समर न्यूज़ | शिमला

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना का नाम बदलने के विरोध में कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन किया। हिमाचल कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार की अध्यक्षता में सीटओ चौक पर आयोजित विरोध प्रदर्शन में उन्होंने केंद्र सरकार के इस कदम की निंदा की। विनय कुमार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व वाली NDA सरकार योजना का नाम "विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण करने जा रही है, जो गलत और अव्यवस्थित तरीका है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस सत्ता में लौटने पर इस योजना का नाम फिर से महात्मा गांधी के नाम पर रखा जाएगा और इसमें अनावश्यक बदलाव नहीं किए जाएंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे कहा कि मनरेगा सिर्फ एक योजना नहीं बल्कि ग्रामीण गरीबों, मजदूरों और बेरोजगारों के लिए रोजगार का मजबूत आधार रही है। योजना का नाम बदलना महात्मा गांधी की विचारधारा और गरीबों के अधिकारों पर सीधे हमला है। उन्होंने यह भी बताया कि पहले मनरेगा का 90 प्रतिशत खर्च केंद्र सरकार वहन करती थी, जबकि अब इसे 60:40 के अनुपात में किया जा रहा है, जिससे राज्य सरकारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा।

स्वास्थ्य विभाग ने जारी किए सर्दी-जुकाम से बचाव के निर्देश

समर न्यूज़ | चंबा

चंबा जिले के पहाड़ी इलाकों में लंबे समय से बारिश न होने के कारण मौसम शुष्क बना हुआ है, जिससे नागरिक अस्पताल तीसा की बड़ी ओपीडी में सर्दी, जुकाम, बुखार और खांसी के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। अस्पताल में हर रोज विभिन्न इलाकों से मरीज आ रहे हैं और बीमारों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों को सलाह दी है कि वे बाहर का खाना न खाएं, मास्क पहनें और गर्म पानी का सेवन करें। इन एहतियाती उपायों से वायरल बुखार, खांसी और सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. ऋषि पुरी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मौसम शुष्क होने के कारण इन दिनों बीमारियों के मामले बढ़ रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे घर का खाना खाएं।

कुटलैहड़ में बीजेपी ने निकाली जन आक्रोश रैली

वीरेंद्र कंवर ने दिया प्रदेश सरकार को अल्टीमेटम

समर न्यूज़ | ऊना

कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की अनदेखी और जनता की समस्याओं को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ जन आक्रोश लगातार तेज होता जा रहा है। इसी कड़ी में भारतीय जनता पार्टी की ओर से बंगाणा से एसडीएम कार्यालय तक जन आक्रोश रैली निकाली गई। रैली का नेतृत्व कुटलैहड़ के पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री वीरेंद्र कंवर ने किया। रैली को संबोधित करते हुए वीरेंद्र कंवर ने कहा कि कुटलैहड़ के एक विधायक को केवल पेंशन की चिंता है, जबकि दूसरे को अपनी कुर्सी बचाने की, लेकिन क्षेत्र की जनता की समस्याओं की किसी को परवाह नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुटलैहड़ की जनता को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है, जिसे अब और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पूर्व मंत्री वीरेंद्र कंवर ने एसडीएम बंगाणा के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को ज्ञापन सौंपते हुए राज्य सरकार को एक माह का अल्टीमेटम दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि तय समय सीमा के भीतर रुके हुए विकास कार्य पूरे नहीं किए गए, तो कुटलैहड़ में बड़ा जन आंदोलन किया जाएगा। वीरेंद्र कंवर ने स्पष्ट किया कि यह कोई राजनीतिक प्रदर्शन नहीं, बल्कि कुटलैहड़ की जनता की वास्तविक आवाज है। उन्होंने कहा कि वे पिछले 20 वर्षों से सक्रिय राजनीति में हैं और जनता उन्हें राजनीति करने नहीं, बल्कि काम करवाने के लिए बुलाती है। उन्होंने कहा, "घी अगर सीधी उंगली से न निकले तो उंगली टेढ़ी करनी पड़ती है," जिससे उन्होंने सरकार को कड़ा संदेश दिया।

उन्होंने कुटलैहड़ में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर भी चिंता जताई और कहा कि क्षेत्र में किसी भी सूरत में गुंडाराज को पनपने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासनिक ढील और राजनीतिक संरक्षण के कारण असामाजिक तत्वों के हौसले बढ़ रहे हैं, जिसका सीधा असर आम जनता पर पड़ रहा है।

वर्ष 2022 के विधानसभा चुनावों का जिक्र करते हुए वीरेंद्र कंवर ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन झूठी गारंटियों के सहारे सत्ता हासिल की गई, वे आज तक धरातल पर नहीं उतरीं। उन्होंने सवाल उठाया कि सड़कों, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल और रोजगार से जुड़ी गारंटियां कहां गईं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो विधायक कभी रिपोर्ट कार्ड दिखाने की बात करते थे, वे आज जनता के सामने आने से क्यों कतरा रहे हैं। पूर्व मंत्री ने हाल ही में प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित और बेघर हुए परिवारों को शीघ्र आर्थिक सहायता देने की मांग भी सरकार से की। उन्होंने कहा कि कई परिवार खुले आसमान के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं, लेकिन सरकार की ओर से अभी तक कोई ठोस मदद नहीं पहुंची है।

विंटर कार्निवाल में सहयोगी होंगे जिला प्रशासन और निगम

समर न्यूज़ | शिमला

शिमला में इस वर्ष आयोजित होने वाले विंटर कार्निवाल में जिला प्रशासन नगर निगम के साथ मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करेगा। इसके मद्देनजर मेयर सुरेंद्र चौहान ने सुबह एडीएम प्रोटोकॉल और पुलिस प्रशासन के साथ बैठक की, जिसमें दोनों पक्षों ने कार्यक्रम संचालन में सहयोग की रूपरेखा तय की। बैठक के बाद मेयर ने सभी पार्षदों के साथ भी बैठक की और यह निर्णय लिया गया कि इस बार सभी पार्षद वर्दी में कार्यक्रम में भाग लेंगे। पिछले वर्ष दिए गए ब्लेज़र पहनकर पार्षद विंटर कार्निवाल में उपस्थित होंगे। इसके अलावा, मेयर सुरेंद्र चौहान और डिप्टी मेयर उमा कौशल ने पार्षदों के लिए तीन कमेटियां बनाई। ये कमेटियां प्रमुख रूप से तंबोला, स्टेज की व्यवस्था और एंट्री प्रबंधन को संभालेंगी, लेकिन अन्य जिम्मेदारियों में भी सहयोग करेंगी।

मेयर ने कहा कि इस वर्ष पारंपरिक हिमाचली संस्कृति और वाद्ययंत्र कलाकारों को विशेष सुविधा उपलब्ध कराना पार्षदों की जिम्मेदारी होगी। इसके अलावा, सभी पार्षद महानाटी के दौरान उपस्थित रहेंगे ताकि सेल्फ हेल्प ग्रुप की महिलाएं समय पर कार्यक्रम स्थल पहुंच सकें और उनके खाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। इस प्रकार, इस वर्ष का विंटर कार्निवाल जिला प्रशासन और नगर निगम के संयुक्त प्रयास और पार्षदों की सक्रिय भागीदारी से आयोजित होगा।

पेरेंट्स से अपील बच्चों को मोबाइल से दूर रखें

समर न्यूज़ | चिंतपूर्णी

शिवालिक स्मार्ट किड्स स्कूल नारी चिंतपूर्णी ने अपने पहले वार्षिक पारितोषिक कार्यक्रम का आयोजन बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि, एमडी सिविल हॉस्पिटल चिंतपूर्णी, डॉक्टर राजेश कुमार ने सरस्वती माता का दीप प्रज्वलित कर किया। विशेष अतिथि के रूप में एसएचओ थाना चिंतपूर्णी जयराम शर्मा भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान स्कूल प्रबंधन ने गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर स्कूल के एमडी, मलकीत सिंह राणा ने घोषणा की कि अगले शैक्षणिक सत्र 2026-27 से छठी से आठवीं कक्षा भी शुरू की जाएगी। उन्होंने माता-पिता से अपील की कि वे बच्चों को मोबाइल फोन से दूर रखें और ट्यूशन पर अधिक खर्च न करें। यदि किसी बच्चे में कोई कमी हो, तो स्कूल द्वारा अतिरिक्त कक्षाओं के माध्यम से उसकी पढ़ाई सुनिश्चित की जाएगी।

इस वार्षिक समारोह में छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दीं। भारतीय सेना पर आधारित प्रस्तुति ने विशेष आकर्षण बनाया, जबकि "एक बटा दो" और "दो बटा चार" गीतों पर छात्रों के प्रदर्शन को सभी ने सराहा। कार्यक्रम में अभिभावक, गणमान्य व्यक्ति और स्कूल स्टाफ ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। अंत में, स्कूल प्रबंधन ने सभी उपस्थित लोगों का धन्यवाद करते हुए कार्यक्रम की सफलता पर संतोष व्यक्त किया।

ऊना में बीजेपी महिला मोर्चा की अहम बैठक में डेजी ठाकुर बोली

चुनावों में महिलाओं की अहम भूमिका

समर न्यूज़ | ऊना

बीजेपी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष डेजी ठाकुर। - समर न्यूज़

हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की एक अहम बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बीजेपी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष डेजी ठाकुर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और महिला कार्यकर्ताओं के साथ संगठन को मजबूत करने को लेकर विस्तृत चर्चा की। मीडिया से बातचीत करते हुए डेजी ठाकुर ने कहा कि संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रदेशभर में इस तरह की बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में वह हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत ऊना पहुंची हैं। उन्होंने बताया कि 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए महिला मोर्चा को मजबूत किया जा रहा है, ताकि भारतीय जनता पार्टी फिर से सत्ता में आ सके। डेजी ठाकुर ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह एकजुट है और आगामी विधानसभा चुनावों में महिलाएं निर्णायक भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस ने महिलाओं से झूठे वादे कर सत्ता हासिल की, लेकिन सत्ता में आने के बाद उन वादों को पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए और यह सोचना चाहिए कि पार्टी में फूट कहां है। डेजी ठाकुर ने भरोसा जताया कि 2027 में महिलाएं कांग्रेस का तख्ता पलट कर भाजपा की सरकार बनाएंगी।

दो किमी पैदल चलकर आपदा प्रभावितों तक पहुंचे विधायक

समर न्यूज़ | कांगड़ा

उपमुख्य सचेतक एवं शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया क्षेत्र के दुर्गम गांव जांवली पहुंचे और आपदा गांव तक पहुंचने के लिए विधायक को करीब दो किलोमीटर का पथरीला और कठिन रास्ता पैदल तय करना पड़ा। भारी बारिश से क्षतिग्रस्त हुए मकानों और बह चुकी उपजाऊ भूमि का निरीक्षण किया तथा प्रभावितों को हरसंभव सहायता और जल्द पुनर्वास का आश्वासन दिया। मानसून के दौरान जांवली गांव के आठ परिवारों को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। उन्होंने अधिकारियों को वन अधिकार नियमों के तहत प्रभावित परिवारों को शीघ्र नई भूमि आवंटित करने के निर्देश दिए और सभी औपचारिकताएं युद्ध स्तर पर पूरी करने को कहा।

व्यवस्था

भगवान राम के नाम से चिढ़ की वजह वीबी- जी राम जी का विरोध कर रही है कांग्रेस

मनरेगा के नाम पर सिर्फ राजनीति कर रही है कांग्रेस सरकार : जयराम ठाकुर

समर न्यूज़ | शिमला

शिमला से जारी बयान में पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस और सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार मनरेगा के नाम पर सिर्फ राजनीति कर रही है। जबकि केंद्र सरकार ने गरीब, ग्रामीण और श्रमिक वर्ग के हित में 'विकसित भारत जी-राम जी योजना' जैसी प्रभावी, पारदर्शी और भविष्य उन्मुख योजना दी है। यह योजना केवल मजदूरी तक सीमित नहीं, बल्कि स्थायी आजीविका, कौशल विकास और आत्मनिर्भर गांवों के निर्माण की दिशा में ठोस कदम है, जिसमें समयबद्ध भुगतान, तकनीक आधारित निगरानी और भ्रष्टाचार पर सख्त नियंत्रण सुनिश्चित किया गया है जो कांग्रेस शासन में कभी संभव नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भगवान राम के नाम से अपनी चिढ़ के कारण ही वीबी–जी राम जी योजना का विरोध कर रही है। उनके राधे- राधे के विरोध को भी पूरी दुनिया ने देखा है। उन्हें गरीबों का कल्याण नहीं, बल्कि राम नाम से एलर्जी है। जो रामराज और ग्रामोदय की सोच से डरता हो, वह विकास का विरोध ही करेगा। देश की जनता जान चुकी है यह विरोध नीति का नहीं, मानसिकता का है।

जय राम ठाकुर ने कहा कि सुक्खू सरकार यह प्रदर्शन सियासी नौटंकी अपने आलाकमान को खुश करने का हथकंडा भर है। मनरेगा को लेकर वह कितने गंभीर हैं इसका पता इसी बात से चलता है कि अगस्त के बाद से राज्य सरकार ने मनरेगा में काम कर चुके लोगों को राज्य के हिस्से का दिहाड़ी भुगतान नहीं किया है। लोगों को मजदूरी में सिर्फ केंद्र द्वारा दी गई धनराशि ही पहुंची है। नेता

जयराम ठाकुर। - समर न्यूज़

प्रतिपक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री पर मनरेगा को लेकर आरोप लगाने वाले हिमाचल के मुख्यमंत्री और कांग्रेस के सभी नेता अगर एक बार आंकड़ों पर नजर डालते तो उन्हें मोदी सरकार में मनरेगा को मिल रही प्राथमिकता का पता चलता। जब 2006 में योजना शुरू हुई थी तो इसका कुल बजट मात्र 11300 करोड रुपए था। जिसे 10 साल में कांग्रेस ने 33000 करोड़ तक पहुंचा पाई। मोदी सरकार ने अपने पहले बजट 2015- 16 में ही मनरेगा का बजट 41000 करोड़ किया। कोविड महामारी के समय वर्ष 2020- 21 में मनरेगा का बजट बढ़ाकर 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपए किया। इसी तरह जब कांग्रेस की सरकार गई तो देश का कृषि बजट 27 हजार करोड़ रुपए था 2025- 26 में यह बजट बढ़कर एक 1 लाख 39 हजार 607 करोड़ रुपए किया। सिर्फ प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के जरिए ही देश के किसानों को मोदी सरकार 3 लाख 90 हजार करोड़ रुपए डीबीटी के जरिए दे चुकी है। महिलाओं युवाओं किसानों और गरीबों के हित के लिए मोदी सरकार अपने पहले दिन से मिशन मोड में काम कर रही है। इसलिए झूठ, भ्रष्टाचार, अराजकता, को संरक्षण देने वाली कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं के मुंह से मोदी सरकार पर आरोप लगाने वाली बात शोभा नहीं देती है। कांग्रेस का मॉडल ही भय दिखाकर, डरा कर, बरगला कर, झूठ बोलकर शासन करने का मॉडल है। लेकिन विबी- जी राम जी के मामले में उनके हथकंडे नहीं चल पाएंगे। जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस और मुख्यमंत्री सुक्खू इस योजना का विरोध इसलिए कर रहे हैं क्योंकि उन्हें विकास नहीं, केवल राजनीति चाहिए। केंद्र की हर सुधारात्मक पहल का विरोध करना कांग्रेस की आदत बन चुकी है। मनरेगा के नाम पर भ्रम फैलाना प्रदेश की जनता के साथ खुला छल है। भाजपा गरीब, किसान और मजदूरों के साथ मजबूती से खड़ी है और विकसित भारत जी-राम जी योजना हिमाचल को विकास, रोजगार और आत्मनिर्भरता की नई दिशा देगी। कांग्रेस और 'सुख की सरकार' को राजनीति छोड़कर अपनी नाकामियों का जवाब देना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि विबी–जी राम जी योजना महात्मा गांधी के रामराज और ग्रामोदय के सपने को साकार करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

महात्मा गांधी का सपना था कि गांव आत्मनिर्भर हों, वहां रोजगार, सम्मान और स्वावलंबन हो और यही लक्ष्य वीबी–जी राम जी योजना के माध्यम से पूरा हो रहा है। यह योजना ग्रामीण भारत को केवल सहायता पर निर्भर रखने के बजाय स्थायी आजीविका, कौशल, विकास और आत्मसम्मान से जोड़ती है। जयराम ठाकुर ने कहा कि सच्चा ग्रामोदय वही है, जहां गांव मजबूत हों और नागरिक आत्मनिर्भर हों, और वीबी-जी राम जी योजना उसी गांधीवादी सोच को जमीन पर उतारने का सशक्त माध्यम है।

यूरिया की बोरी 400 में बिक रही, पंजाब में हो रही ब्लैक

समर न्यूज़ | ऊना

हिमाचल प्रदेश में किसानों के लिए भेजी गई यूरिया खाद पड़ोसी राज्य पंजाब में ब्लैक मार्केट में बेचे जाने का मामला सामने आया है। ऊना जिले से रोजाना पिकअप और अन्य वाहनों में यूरिया की बोरियां भरकर पंजाब के होशियारपुर सहित कई जिलों में भेजी जा रही हैं। किसान जब गोदामों में खाद लेने पहुंचते हैं तो उन्हें यह कहकर लौटा दिया जाता है कि स्टॉक उपलब्ध नहीं है। इस माह प्रदेश में गेहूं की फसल के लिए 3400 टन यूरिया भेजी गई, जिसमें से 850 टन ऊना जिले के लिए थी। गोदामों में पर्याप्त स्टॉक होना चाहिए, लेकिन हकीकत इसके उलट है। गोदाम संचालक 270 रुपये की 45 किलो की बोरी करीब 300 रुपये में उठवाकर पंजाब भेज रहे हैं, जहां वही बोरी 400 रुपये तक में बिक रही है।

चंडीगढ़ पीजीआई घोटाले का मास्टरमाइंड दुर्लभ कुमार, फर्जी मरीजों के रिकॉर्ड के आधार पर मुफ्त दवाइयां हासिल कर बाजार में बेचता था

पूरा फर्जीवाड़ा पीजीआई के डॉक्टरों की नकली मोहरें लगाकर किया, सेक्टर-11 थाना पुलिस ने किया आरोपी के खिलाफ मामल दर्ज

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

पीजीआई में सामने आए एक बड़े घोटाले ने हड़कंप मचा दिया है। जांच में सामने आया है कि पीजीआई की प्राइवेट ग्रांट सेल में 1.14 करोड़ रुपये के कथित घोटाले से पहले आयुषमान भारत और हिमकेयर जैसी सरकारी योजनाओं के तहत भी करोड़ों रुपये का फर्जीवाड़ा किया जा चुका है। हैरानी की बात यह है कि इन सभी मामलों का कथित मास्टरमाइंड एक ही व्यक्ति दुर्लभ कुमार बताया जा रहा है। आरोप है कि दुर्लभ कुमार अपने साथियों की मदद से पीजीआई की अमृत फार्मेसी से फर्जी मरीजों के रिकॉर्ड के आधार पर मुफ्त दवाइयां हासिल करता था और फिर उन्हें बाजार में 15–20 प्रतिशत छूट पर बेच देता था। यह पूरा फर्जीवाड़ा पीजीआई के डॉक्टरों की नकली मोहरें लगाकर किया जाता था।

पीजीआई के 6 कर्मचारियों पर FIR

पीजीआई की गोल मार्केट में फोटोस्टेट की दुकान चलाने वाले दुर्लभ कुमार और पीजीआई के छह कर्मचारियों के खिलाफ सीबीआई ने तीन दिन पहले FIR दर्ज की है। इससे पहले इसी साल दुर्लभ कुमार को चंडीगढ़ पुलिस की क्राइम ब्रांच ने भी गिरफ्तार किया था। उसे आयुष्मान भारत और हिमकेयर योजना के नाम पर हुए फर्जीवाड़े में पकड़ा गया था, जहां मुफ्त मिलने वाली दवाइयों को फर्जी मरीजों के नाम पर लेकर निजी मेडिकल दुकानों पर बेचा जाता था।

फरवरी 2025 में हुआ खुलासा

इस फर्जीवाड़े का खुलासा फरवरी 2025 में हुआ, जब एक युवक आयुष्मान कार्ड के जरिए अमृत फार्मेसी से करीब 60 हजार रुपये की दवाइयां लेने पहुंचा। मुफ्त दवाइयां लेने के बाद सुरक्षा कर्मचारियों को उस पर शक हुआ और तलाशी में उसके पास से नकली मोहरें, इंडेंट फॉर्म और विभिन्न विभागों के दस्तावेज बरामद हुए। युवक की पहचान हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा निवासी रमन कुमार के रूप में हुई, जिसके खिलाफ सेक्टर-11 थाने में मामला दर्ज किया गया। जांच में दुर्लभ कुमार का नाम भी सामने आया। जांच में पता चला कि यह एक संगठित गिरोह था, जिसका संचालन दुर्लभ कुमार कर रहा था। आयुष्मान कार्ड बनवाने वाले अजय कुमार और अमृत फार्मेसी से जुड़े कर्मचारियों की मदद से मरीजों का रिकॉर्ड हासिल किया जाता था। इसके बाद मरीजों के नाम पर फर्जी पर्चियां बनाई जातीं, जिन पर महंगी दवाइयां लिखी जातीं और डॉक्टरों व पीजीआई के विभागों की नकली मोहरें लगाई जाती थीं। रमन कुमार इन पर्चियों के आधार पर मुफ्त दवाइयां लेकर उन्हें चंडीगढ़ की एक प्रसिद्ध केमिस्ट शॉप तक पहुंचाता था, जहां दुर्लभ कुमार उन्हें बाजार मूल्य से 10–15 प्रतिशत कम दाम पर बेच देता था।

गरीब मरीजों के लिए बनी ग्रांट में भी गड़बड़ी

पीजीआई की प्राइवेट ग्रांट सेल के जरिए गरीब और जरूरतमंद मरीजों को आर्थिक सहायता दी जाती है, लेकिन जांच में सामने आया कि यहां भी बड़े पैमाने पर घोटाला किया गया। आरोप है कि सहायता राशि को आरोपियों ने अपने खातों में ट्रांसफर कर लिया, यहां तक की मृत मरीजों के नाम पर भी ग्रांट ली गई। इस मामले में सीबीआई ने दुर्लभ कुमार, उसके पार्टनर साहिल सूद और पीजीआई के कई कर्मचारियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपियों में जूनियर एडमिनिस्ट्रेटिव असिस्टेंट (सेवानिवृत्त) धर्मचंद, मेडिकल रिकॉर्ड क्लर्क सुनील कुमार, लोअर डिवीजन क्लर्क प्रदीप सिंह, चेतन गुप्ता, अस्पताल अटेंडेंट नेहा और प्राइवेट ग्रांट सेल के कर्मचारी गगनप्रीत सिंह शामिल हैं।

मिलीभगत से फर्जी क्लेम प्रोसेस

सीबीआई की जांच में खुलासा हुआ कि आरोपियों ने आपसी मिलीभगत से फर्जी क्लेम फाइलें प्रोसेस कीं। फर्जी लाभार्थियों के खातों में डाली गई रकम बाद में दुरलभ कुमार, साहिल सूद और अन्य निजी व्यक्तियों व उनके रिश्तेदारों के खातों में ट्रांसफर कर दी जाती थी, जिसे आपस में बांट लिया जाता था। यह कार्रवाई पीजीआई के मुख्य सतर्कता अधिकारी से मिली शिकायत के आधार पर की गई, जिसके बाद सीबीआई ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

मरीजों को सर्दियों के लिए कंबल किए वितरित

चंडीगढ़ | समर न्यूज़

जिला रेड क्रॉस सोसाइटी, एस.ए.एस. नगर द्वारा लोक-भलाई के कार्य निरंतर किए जा रहे हैं। इसी कड़ी के तहत सर्दियों के मौसम को ध्यान में रखते हुए कोमल मित्तल, आई.ए.एस., उपायुक्त एवं अध्यक्ष, जिला रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा जिला नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र, सेक्टर-66, एस.ए.एस. नगर में 80 मरीजों को कंबल वितरित किए गए। इस अवसर पर उपायुक्त ने केंद्र में दाखिल मरीजों के साथ बातचीत की और उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी भी हासिल की। रेड क्रॉस के सचिव ने बताया कि यह सामग्री उपायुक्त-सह-अध्यक्ष द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार ही उपलब्ध करवाई गई है। इस मौके पर रेड क्रॉस शाखा की टीम के सदस्य उपस्थित थे।

एफआईआर के बावजूद धड़ल्ले से जारी अवैध खनन

मोहाली | समर न्यूज़

जिले के खिजराबाद गांव (ब्लॉक माजरी, तहसील खरड़) में अवैध खनन का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। एफआईआर दर्ज होने के बावजूद खनन गतिविधियां रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। यह आरोप बीजेपी पंजाब के स्टेट मीडिया हेड विनीत जोशी ने लगाए हैं। विनीत जोशी ने बताया कि उन्होंने 21 दिसंबर 2025 को उसी अवैध खनन साइट का दोबारा निरीक्षण किया, जिसे वे पहले 8 नवंबर 2025 को देख चुके थे।

मौके पर जमीन की ताजा खुदाई साफ दिखाई दी, जिससे यह स्पष्ट होता है कि अवैध खनन लगातार जारी है। उनका दावा है कि उनके पास 8 नवंबर और 21 दिसंबर के फोटो व वीडियो सबूत मौजूद हैं, जो यह साबित करते हैं कि मोहाली माइनिंग विभाग द्वारा अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

बीजेपी नेता ने कहा कि स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि अवैध खनन को संरक्षण देने के बदले संबंधित अधिकारियों और कुछ जनप्रतिनिधियों को मोटी रकम दी जा रही है। इसी कारण जिम्मेदार अधिकारी या तो आंखें मूंदे हुए हैं या मूकदर्शक बने हुए हैं।

पुलिस और प्रशासन की भूमिका पर सवाल विनीत जोशी ने जिला प्रशासन के खिलाफ गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि कागजों में दिखाई जा रही कार्रवाई और जमीनी हकीकत में बड़ा अंतर है, जो प्रशासनिक विफलता को उजागर करता है। बीजेपी ने मामले में तत्काल जवाबदेही तय करने और अवैध खनन में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से शामिल सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

नाकाबंदी के दौरान हेरोइन के साथ युवक काबू

फेज-3ए मोहाली खालसा कॉलेज मोड़ से किया युवक को गिरफ्तार

मोहाली | सारंश मेहरा
समर न्यूज़

थाना मटोर पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान 52 ग्राम हेरोइन के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई फेज-3ए मोहाली स्थित खालसा कॉलेज मोड़ पर की गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना मटोर के प्रभारी इंस्पेक्टर रूपिंदर सिंह के नेतृत्व में एएसआई गुरतेज सिंह, कांस्टेबल अमनदीप सिंह और सिपाही संदीप सिंह नाकाबंदी पर तैनात थे। शाम करीब 5:30 बजे चंडीगढ़ की ओर से एक युवक पैदल आता हुआ पुलिस नाके के पास पहुंचा। पुलिस को देखकर युवक अचानक पीछे मुड़ने लगा, जिससे शक के आधार पर पुलिस ने उसे तुरंत

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी - समर न्यूज़

काबू कर लिया। पूछताछ के दौरान युवक ने अपना नाम सोबी पुत्र नौसाद, निवासी गली नंबर-03, गुरु नानक कॉलोनी, बड़माजरा, जिला मोहाली बताया। कानूनी प्रक्रिया के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 50 के अनुसार युवक को उसके अधिकारों की जानकारी दी गई, जिस पर उसने पुलिस अधिकारी के समक्ष ही तलाशी देने की सहमति जताई। तलाशी के दौरान आरोपी की पैंट की दाहिनी जेब से एक पारदर्शी लिफाफा बरामद हुआ, जिसमें हेरोइन पाई गई। इसके अलावा उसके काले रंग के कोट की बाईं जेब से एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू, एक मोबाइल फोन और 810 रुपये भारतीय मुद्रा बरामद की गई। जांच किट से वजन करने पर हेरोइन का कुल वजन 52 ग्राम पाया गया। पुलिस ने बरामद नशीले पदार्थ और अन्य सामान को कब्जे में लेकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं 21/61/85 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा मामले की आगे की जांच जारी है और नशा तस्करी से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। एसएचओ रुपिंदर ने बताया कि आरोपी को जिला अदालत में पेश कर एक दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया है।

डॉ. वरुण बजाज बने आईडीए चंडीगढ़ स्टेट ब्रांच के अध्यक्ष

चंडीगढ़ | समर न्यूज़

भारतीय दन्त चिकित्सा संघ (आईडीए) की चंडीगढ़ स्टेट ब्रांच के नए अध्यक्ष के रूप में डॉ. वरुण बजाज ने पदभार ग्रहण कर लिया है। वर्ष 1961 में स्थापित इस प्रतिष्ठित संस्था की कमान अब उनके हाथों में है। 40 वर्षीय डॉ. बजाज दंत चिकित्सा एवं मानवीय सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित हो चुके हैं। वे इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ डेंटिस्ट्स और पियरे फॉचर्ड अकादमी, अमेरिका की फेलोशिप भी प्राप्त कर चुके हैं। डॉ. बजाज पिछले 12 वर्षों से पंचकूला के सेक्टर-25 स्थित श्री हनुमान तीर्थ में हर मंगलवार निःशुल्क दंत चिकित्सा सेवाएं दे रहे हैं। विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से जुड़े डॉ. बजाज के नेतृत्व में आईडीए चंडीगढ़ स्टेट ब्रांच को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

प्राकृतिक खेती पर सीआरपी व कृषि सखियों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

प्रदीप सिंह हैप्पी | मोहाली
समर न्यूज़

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केंद्र एसएएस नगर द्वारा 16 दिसंबर से 22 दिसंबर 2025 तक केवीके परिसर में सीआरपी और कृषि सखियों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण पाठ्यक्रम डिप्टी डायरेक्टर डॉ. बलबीर सिंह खड्डा के मार्गदर्शन में और कृषि विभाग, एसएएस नगर के सहयोग से लगाया गया। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. बलबीर सिंह खड्डा ने प्राकृतिक खेती के महत्व, इसके सिद्धांतों और पशुपालन व्यवसाय को उभारने के लिए केवीके द्वारा दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी दी और किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम प्रभारी डॉ. मुनीश शर्मा, सहायक प्रोफेसर (बागवानी) ने प्राकृतिक खेती में जीवामृत, बीजामृत, मल्चिंग और वापसा जैसी तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की। इसी कड़ी में कृषि विभाग से डॉ. रमन करोरेया ने प्राकृतिक खेती में फसल प्रबंधन संबंधी जरूरी नुक्ते साझा किए, जबकि डॉ. गुरप्रीत ने फसलों की प्रोसेसिंग के बारे में जानकारी दी। इसके साथ ही डॉ. गुरदयाल कुमार ने प्राकृतिक खेती से संबंधित सरकारी योजनाओं के बारे में प्रशिक्षणार्थियों को जागरूक किया। इस अवसर पर गुरुकुल कुरुक्षेत्र से डॉ. गगनदीप सिंह और रामविलास सहित तरजिंदर सिंह ने प्राकृतिक खेती विषय पर अपने अनुभव साझा किए। प्रशिक्षण शिविर के दौरान प्रशिक्षणार्थियों का गुरुकुल कुरुक्षेत्र स्थित प्राकृतिक खेती फार्म का शैक्षणिक दौरा भी करवाया गया। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के समापन पर प्रशिक्षणार्थियों ने केवीके मोहाली का धन्यवाद किया और भविष्य में भी ऐसे लाभकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की अपील की ताकि प्राकृतिक खेती के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त हो सके।

स्वदेशी महोत्सव 2025 में राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने की सहभागिता

विकसित भारत की राह में स्वदेशी महोत्सव की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण: कार्तिकेय शर्मा

मुकुल शर्मा | पंचकूला
समर न्यूज़

सेक्टर-5 परेड ग्राउंड में आयोजित स्वदेशी महोत्सव 2025 में राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने हरियाणा के पुरातन समाज की झलक देखी और स्वदेशी को बढ़ावा देने वाली विभिन्न स्टालों का निरीक्षण किया।

महोत्सव की सराहना करते हुए सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि यह एक अत्यंत सुंदर स्वदेशी मेला है और पहले ही दिन 40 हजार से अधिक लोग इसे देखने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि इस महोत्सव में हरियाणा की विरासत और संस्कृति की स्पष्ट झलक देखने को मिलती है, जिसे अगली पीढ़ी तक पहुंचाना बेहद आवश्यक है। स्वदेशी जागरण मंच द्वारा किया गया यह प्रयास सराहनीय है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए स्वदेशी के आह्वान को धरातल पर उतारने का प्रयास यहां स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। छोटे उद्यमियों द्वारा निर्मित उत्पादों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। ऐसे कार्यक्रम लगातार होते रहने चाहिए, क्योंकि इससे उन वर्गों को भी प्रोत्साहन मिलता है जो अक्सर पीछे रह जाते हैं।

मनरेगा से जुड़े विधेयक पर बोलते हुए सांसद ने कहा कि मनरेगा के अंतर्गत योजना का नाम बदलकर जी राम जी रखा गया है और कार्य दिवस बढ़ाकर 125 कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी जी भी भगवान श्री राम के अनुयायी थे और उन्हें भी इस पर कोई आपत्ति नहीं होती।

कांग्रेस इस विषय को तुष्टिकरण की राजनीति से जोड़ने का प्रयास कर रही है, जो चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि भगवान श्री राम के नाम पर किसी को भी आपत्ति नहीं होनी चाहिए, क्योंकि हरियाणा में सभी जाति, समुदाय और धर्म के लोग एक-दूसरे का अभिवादन राम-राम कहकर करते हैं।

देश की जनता लगातार कांग्रेस को जवाब दे रही है, लेकिन वे इसे समझना नहीं चाहते।

हरियाणा विधानसभा सत्र के दौरान मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में ऐसी घटनाओं के लिए कोई स्थान नहीं है। आज देश में सबसे बड़ी युवा आबादी है और यह सोचना जरूरी है कि हम युवाओं को किस प्रकार का उदाहरण दे रहे हैं। लोकतंत्र में सभी को अधिकार हैं, लेकिन उसकी मर्यादा भी उतनी ही जरूरी है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। पीड़ित परिवारों के प्रति उन्होंने संवेदना व्यक्त की और कहा कि यदि ऐसी घटनाएं घटती हैं तो भारत को पक्ष-विपक्ष से ऊपर उठकर एकजुट होकर इसकी निंदा करनी चाहिए।

स्वदेशी महोत्सव में केंद्र सरकार की योजनाओं पर मल्टीमीडिया प्रदर्शनी

पंचकूला | समर न्यूज़

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत केंद्रीय संचार ब्यूरो (CBC) द्वारा स्वदेशी महोत्सव 2025 के अवसर पर केंद्र सरकार की प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं और विगत 11 वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित भव्य मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। यह प्रदर्शनी परेड ग्राउंड, सेक्टर-5, पंचकूला में 23 दिसंबर 2025 तक आम जनता के लिए खुली रहेगी। "विकसित भारत का अमृत काल – सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 11 वर्ष" थीम पर आधारित प्रदर्शनी में सूचना पैनल, डिजिटल डिस्प्ले और वीडियो के माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला, पीएम-किसान सहित अन्य योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। साथ ही चित्रकला, क्विज और नुक्कड़ नाटक जैसे जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं।

रोहित धनखड़ हत्याकांड: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आरोपियों की गिरफ्तारी के दिए निर्देश

चंडीगढ़। मुकुल शर्मा
समर न्यूज़

अंतरराष्ट्रीय बॉडीबिल्डर और छह बार के राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता रोहित धनखड़ की नृशंस हत्या के मामले में न्याय की मांग को लेकर सर्वखाप पंचायत हरियाणा का 17 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से उनके निवास पर मिला। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए घटना के विस्तृत विवरण, अब तक की पुलिस कार्रवाई, लंबित गिरफ्तारियों और पीड़ित परिवार की दयनीय स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि 27 नवंबर की रात भिवानी जिले में एक विवाह समारोह से लौटते समय केवल महिलाओं के सम्मान की रक्षा के प्रयास में रोहित को 18–20 हमलावरों द्वारा सुनियोजित तरीके से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। मामले में एफआईआर, थाना

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ सर्वखाप के लोग। - समर न्यूज़

सदर भिवानी में चार नामजद और 15 से 20 अज्ञात आरोपियों के खिलाफ दर्ज है, लेकिन एक महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद अधिकांश आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को यह भी बताया कि हरियाणा पुलिस महानिदेशक द्वारा 16 दिसंबर तक सभी आरोपियों की गिरफ्तारी का समय निर्धारित किया गया था, लेकिन केवल चार आरोपी ही गिरफ्तार हुए, जिससे समाज में गहरा रोष और असंतोष व्याप्त है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रतिनिधिमंडल की बात गंभीरता से सुनी और डीजीपी से फोन पर बातचीत कर स्पष्ट निर्देश दिए कि मामले में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने भिवानी पुलिस से जांच रोहतक ट्रांसफर करने और शेष आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के आदेश दिए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि यह संदेश जाए कि कानून हाथ में लेने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

तुलसी पूजन दिवस पर होगा कार्यक्रम का आयोजन

पंचकूला | समर न्यूज़

एसटीएफ सनातन टास्क फोर्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट गर्वेश राणा एवं गौशाला संचालक रमेश अग्रवाल के नेतृत्व में 25 तारीख (वीरवार) को तुलसी पूजन दिवस के अवसर पर सेवा ही सेवा गौधाम गौशाला में भव्य धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर पूज्य गुरु ज्ञानानंद महाराज का संगठन की ओर से स्वागत किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत सेक्टर-11 स्थित सेवा ही सेवा चैरिटेबल अस्पताल में नव निर्मित नेत्र चिकित्सालय का उद्घाटन महाराज जी करेंगे। इसके बाद अस्पताल से गौधाम तक भव्य रोड शो निकाला जाएगा। गौधाम पहुंचकर आयोजित कार्यक्रम में महाराज जी भगवद गीता पर प्रवचन देंगे। STF ने गौसंरक्षण को लेकर सख्त कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन की मांग की और अधिक संख्या में लोगों से शामिल होने की अपील की।

हरियाणवी पगड़ी बनी पर्यटकों की पहली पसंद

डॉ. महासिंह पूनिया ने 2015 में की थी पगड़ी बंधाओ, फोटो खिंचाओ की शुरूआत

प्रदीप सिंह हैप्पी। मोहाली
समर न्यूज़

स्वदेशी जागरण मंच की ओर से सेक्टर-5 परेड ग्राऊंड में चल रहे स्वदेशी महोत्सव में विरासत दि हेरिटेज विलेज कुरुक्षेत्र द्वारा लगाई गई सांस्कृतिक प्रदर्शनी में हरियाणवी पगड़ी का क्रेज पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। विरासत की ओर से लगाए गए स्टॉल में अब तक सैंकडों लोगों ने पगड़ी बंधवाकर स्वदेशी का परिचय दिया है। यह जानकारी मेला के संयोजक एवं उत्तर क्षेत्र के स्वदेशी मंच के प्रभारी राजेश गोयल ने दी। उन्होंने कहा कि हरियाणा की सांस्कृतिक प्रदर्शनी सभी के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है। यहां पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, हरियाणा भाजपा के प्रभारी सतीश पूनिया, संपूर्णानंद महाराज, राज्यसभा सदस्य रेखा शर्मा, कालका की विधायक शक्ति रानी शर्मा, पंचकूला के मेयर कुलभूषण गोयल , स्वदेशी के राष्ट्रीय सह-संगठक सतीश , विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता, फिल्मी अभिनेता आबिद आलीवाल सहित अनेक लोगो ने पगड़ी बंधवाकर जहां एक ओर स्वदेशी का परिचय दिया है वहीं पर संस्कृति के प्रति अपने लगाव की अभिव्यक्ति की है। पगड़ी के विषय में विस्तार से जानकारी देते हुए विरासत दि हेरिटेज विलेज सांस्कृतिक प्रदर्शनी के प्रभारी डॉ. महासिंह पूनिया ने बताया कि लोकजीवन में पग, पाग, पग्गड़, पगड़ी, पगमंडासा, साफा, पेचा, फेंटा, खण्डवा, खण्डका, आदि नामों से जाना जाता है। जबकि साहित्य में पगड़ी को रूमालियो, परणा, शीशकाय, जालक, मुरैठा, मुकुट, कनटोपा, मदील, मोलिया और चिंदी आदि नामों से जाना जाता है। वास्तव में पगड़ी का मूल ध्येय शरीर के ऊपरी भाग (सिर) को सर्दी, गर्मी, धूप, लू, वर्षा आदि विपदाओं से सुरक्षित रखना रहा है, किंतु धीरे-धीरे इसे सामाजिक मान्यता के माध्यम से मान और सम्मान के प्रतीक के साथ जोड़ दिया गया, क्योंकि पगड़ी सिरोधार्य है। यदि पगड़ी के अतीत के इतिहास में झांक कर देखें, तो अनादिकाल से ही पगड़ी को धारण करने की परम्परा रही है। उन्होंने बताया कि लोकजीवन में पगड़ी की विशेष महत्ता है। पगड़ी की परम्परा का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है। पगड़ी जहां एक ओर लोक सांस्कृतिक परम्पराओं से जुड़ी हुई है, वहीं पर सामाजिक सरोकारों से भी इसका गहरा नाता है। हरियाणा के खादर, बांगर, बागड़, अहीरवाल, बृज, मेवात, कौरवी क्षेत्र सभी क्षेत्रों में पगड़ी की विविधता देखने को मिलती है।

समाजसेवा | सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल गोबिंदगढ़ में आयोजित हुआ सेवा कार्यक्रम

लायंस क्लब पंचकूला प्रीमियर ने बच्चों को बांटे गर्म कपड़े

मोहाली | प्रदीप सिंह हैप्पी
समर न्यूज़

लायंस क्लब पंचकूला प्रीमियर की ओर से गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल गोबिंदगढ़, मोहाली में करीब 400 स्कूली बच्चों को जर्सियां और जूते बांटे गए। इस अवसर पर विधायक मोहाली कुलवंत सिंह ने विशेष रूप से शिरकत की और पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि लायंस क्लब पंचकूला प्रीमियर की ओर से पहले भी समाज सेवा के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया जाता रहा है और आज भी लगभग 400 विद्यार्थियों को सर्दी से बचाने के लिए जर्सियां और जूते बांटे गए हैं, जो कि एक सराहनीय प्रयास है। लायंस क्लब पंचकूला प्रीमियर की इस कोशिश से अन्य समाज सेवी संस्थाओं को भी प्रेरणा मिलती है और इसी तरह अन्य स्कूलों के विद्यार्थियों को शीत ऋतु से राहत देने के लिए गर्म कपड़े बांटे जाएंगे।

विधायक कुलवंत सिंह ने कहा कि अकेली सरकार कभी भी कुछ नहीं कर सकती जब तक राज्य के लोग और समाज सेवी संस्थाएं आगे आकर अपनी जिम्मेदारी नहीं समझतीं। जब ये तीनों पक्ष इकट्ठा हो जाते हैं, तो मुझे नहीं लगता कि कोई भी काम अधूरा रह सकता है। मेरी सभी से यह अपील है कि सब मिलकर सामाजिक परिवेश को बेहतर बनाने और जरूरतमंदों की सहायता करने के लिए एकजुट होकर प्रयास करें। उन्होंने कहा कि इस क्लब की ओर से आने वाले दिनों में साथ लगते कई अन्य स्कूलों में भी समाज सेवा का यह कार्य जारी रखा जाएगा। विधायक कुलवंत सिंह ने कहा कि यदि इसी तरह अन्य समाज सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि और लोग स्वतः आगे आकर अपनी-

स्कूल में रखे गर्म कपड़े। - समर न्यूज़

अपनी जिम्मेदारी लें और दूसरों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बनें, तभी समाज का सही मायनों में भला हो सकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी की सरकार द्वारा शिक्षा का स्तर ऊपर उठाने के लिए सरकारी स्कूलों में आवश्यक बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) को पूरा किया गया है, वहीं स्कूलों में शिक्षकों और अन्य संबंधित स्टाफ की भर्ती भी बड़े स्तर पर की गई है। उन्होंने क्लब की समूची टीम के सदस्यों का धन्यवाद किया, जिन्होंने इस स्कूल के विद्यार्थियों को जर्सियां और जूते वितरित किए हैं। इस मौके पर डॉ. सतिंदर सिंह भंवरा, कुलदीप सिंह समाना, जसपाल सिंह मटौर, राजिंदर प्रसाद शर्मा- पूर्व पार्षद, जगजीत सिंह गोबिंदगढ़, गुरप्रीत सिंह बलियाली, अकविंदर सिंह गोसल, कर्मापुरी सरपंच गोबिंदगढ़, हरपाल सिंह बराड़, गुरप्रीत सिंह कुरड़ा, गुरपाल सिंह ग्रेवाल, रवि मेहरा, आशीष अग्रवाल, मनजीत कौर, निशा सचदेवा, एकशपाल सिंह, परविंदर सिंह, दिनेश सचदेवा और गौरव खन्ना भी उपस्थित थे।

खरमास में सूर्यदेव की साधना से चमकेगा भाग्य, बढ़ेगा मान-सम्मान

खरमास का नाम सुनते ही अक्सर लोगों के मन में यह बात आती है कि इस दौरान कोई शुभ काम नहीं करना चाहिए। सच भी है कि खरमास में विवाह, गृह प्रवेश जैसे मांगलिक कार्य वर्जित माने गए हैं।

लेकिन, बहुत कम लोग जानते हैं कि यही समय सूर्यदेव की साधना के लिए बेहद खास और फलदायी माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जब सूर्यदेव धनु राशि में रहते हैं, तब खरमास लगता है और यह काल आत्मिक शुद्धि, आत्मबल बढ़ाने और अंदरूनी ऊर्जा को मजबूत करने के लिए उत्तम होता है।

इस बार 16 दिसंबर 2025 से खरमास की शुरुआत हो चुकी है, जो 14 जनवरी 2026 तक रहेगा। सूर्यदेव को आत्मविश्वास, तेज, यश और मान-सम्मान का प्रतीक माना गया है। कहा जाता है कि अगर किसी व्यक्ति के जीवन में बार-बार अपमान, असफलता या आत्मविश्वास की कमी महसूस हो रही हो, तो कहीं न कहीं सूर्य कमजोर हो सकता है। ऐसे में खरमास के दौरान की गई सूर्य साधना जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है। यह साधना न सिर्फ मन को मजबूत बनाती है, बल्कि समाज में प्रतिष्ठा भी बढ़ाती है। खरमास में रोज सुबह स्नान के बाद सूर्य को अर्घ्य देना बहुत शुभ माना जाता है। अर्घ्य देते समय सूर्यदेव का ध्यान करें और उनके नामों का स्मरण करें। इससे मन शांत होता है और दिन की शुरुआत ऊर्जा के साथ होती है। इसके साथ ही सूर्य चालीसा का पाठ भी अत्यंत फलदायी माना गया है।

धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, यदि खरमास में सूर्यदेव की चालीसा का पाठ किया जाए, तो वह प्रसन्न होकर साधक पर अपनी कृपा बरसाते हैं। इसके प्रभाव से व्यक्ति का आत्मविश्वास और समाज में सम्मान बढ़ता है। ज्योतिषियों के मुताबिक, सूर्य चालीसा से कुंडली में सूर्य का स्थान मजबूत होता है, जिससे साधक के मान-सम्मान में वृद्धि, बेहतर नेतृत्व क्षमता, उच्च पद और पिता के साथ रिश्ता मजबूत होता है।

भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव दूर करेगा 'सिद्धासन'

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में हेल्दी डाइट और योगासन सेहत को संतुलित बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं, लेकिन हम अक्सर इस पर तब तक ध्यान नहीं देते, जब तक कोई स्वस्थ्य समस्या घेर नहीं लेती।

ऐसे में सिद्धासन एक ऐसा योगासन है, जो मन शांत और एकाग्रता बढ़ाता है। सिद्धासन योग विज्ञान के सबसे महत्वपूर्ण और प्राचीन ध्यान लगाने वाले आसनों में से एक है। 'सिद्ध' का अर्थ है 'पूर्ण' या 'ज्ञानी'।

यह एक ऐसी योग मुद्रा है जिसमें पैर की एड़ी को पेरिनियम और दूसरे पैर की एड़ी को जननांग के ऊपर रखकर रीढ़ सीधे रखते हुए ध्यान केंद्रित किया जाता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, यह योगासन सिद्ध चिकित्सा प्रणाली का एक महत्वपूर्ण योगिक अभ्यास क्रिया है, जो 'चित्ति' (पूर्णता) से जुड़ा है और मन को शांत करता है, जिससे शरीर की ऊर्जा (प्राण) को ऊपर की ओर निर्देशित करता है।

इसके रोजाना अभ्यास से पाचन और कई तरह के शारीरिक व मानसिक रोग जैसे दमा और मधुमेह में लाभ मिलता है।

इसी के साथ ही यह आसन कूल्हों, घुटनों और टखनों को स्ट्रेच करता है।

इसे नियमित रूप से करने के लिए योगा मैट पर दंडासन की मुद्रा में बैठ जाएं।

अब बाएं पैर को घुटने से मोड़कर एड़ी को पेरिनियम के बीच पर मजबूती से रखें। इसके बाद दाएं पैर को मोड़ें और इसकी एड़ी को बाएं पैर की एड़ी के ठीक ऊपर रखें।

दाएं पैर की उंगलियों को बाएं पैर की जांघ और पिंडली के बीच के जोड़ में फंसा दें। अब रीढ़ की हड्डी, गर्दन और सिर को बिल्कुल सीधा रखें और अपनी आंखें बंद करके ध्यान केंद्रित करें।

इसके नियमित अभ्यास से कई तरह के लाभ मिलते हैं। अगर किसी के घुटनों या कूल्हों में दर्द हो तो सावधानी से करें या कुर्सी का सहारा लें। गहरी सांस लेते समय या प्राणायाम के समय उच्च रक्तचाप वाले व्यक्ति सतर्क रहें।

कैल्शियम और विटामिन डी का कॉम्बो रीढ़ की हड्डी के लिए संजीवनी

अक्सर आप या आपके पास मौजूद लोग रीढ़ की कमजोरी और जोड़ों के दर्द की शिकायत करते हैं। स्थिति गंभीर होने पर गठिया, ऑस्टियोपोरोसिस, बर्साइटिस, अर्थराइटिस और पेजेट रोग होने लगते हैं। इन परिस्थितियों में डॉक्टर सर्जरी या लंबे इलाज की बात कहता है। आमतौर पर यही समझा जाता है कि कैल्शियम की कमी की वजह से हड्डियों से रोग होते हैं, जो सही भी है, लेकिन जो लोग बचपन से दूध और दही का सेवन करते आ रहे हैं, ऐसे लोगों में भी रीढ़ की हड्डी और जोड़ों से जुड़े विकार देखे जाते हैं। अब सवाल उठता है कि ऐसा क्यों? रीढ़ की हड्डी और जोड़ों से जुड़े हर विकार के लिए सिर्फ कैल्शियम अकेला जिम्मेदार नहीं है। कैल्शियम और विटामिन डी मिलकर ही रीढ़ की हड्डी और जोड़ों को मजबूत बनाने का काम करते हैं। हमारी रीढ़ की हड्डी में 32 बॉक्स बने होते हैं, जो एक तरल पदार्थ साइनोवियल द्रव के जरिए जुड़े होते हैं। रीढ़ की हड्डी को अस्थि मज्जा मजबूती देने का काम करती है। हड्डियों के भीतर गहराई से कैल्शियम और फास्फोरस को पहुंचाती है। हड्डियों में कैल्शियम का अवशोषण तभी अच्छे से हो पाता है, जब विटामिन डी अच्छी मात्रा में मौजूद हो। अगर विटामिन डी शरीर के भीतर नहीं है, तो अच्छा आहार और दवाएं भी शरीर में नहीं लगते हैं। विटामिन डी सूरज की रोशनी से बनने वाला एक विटामिन है, जो शरीर में कैल्शियम के अवशोषण को 40-50 फीसदी तक बढ़ा देता है। दोनों का संयुक्त मेल रीढ़ की हड्डी से लेकर जोड़ों के विकारों से निपटने के लिए रामबाण तरीका है। विटामिन डी मांसपेशियों में दोनों वाली अकड़न को भी कम करता है और गले और कंधे में होने वाले दर्द से भी राहत दिलाता है।

वहीं विटामिन डी की कमी हड्डियों को मुलायम और कमजोर बनाती है, जिससे जोड़ों का साइनोवियल द्रव भी हड्डियों के ऊपर चिपकने लगता है और हड्डियां क्षीण होने लगती हैं। साइनोवियल द्रव की कमी से जोड़ों के दर्द की समस्या रहती है और परिस्थिति ज्यादा खराब होने पर घुटनों का ऑपरेशन भी करना पड़ जाता है। कैल्शियम और विटामिन डी को सप्लीमेंट से ज्यादा प्राकृतिक स्रोतों से लेना ज्यादा अच्छा होता है। कैल्शियम के लिए दूध, दही, अंडा, पनीर, बादाम, हरी पत्तेदार सब्जियां, चना, सत्तू और रागी का सेवन करना चाहिए, जबकि विटामिन डी के लिए सुबह की धूप में कुछ वक्त रहें।

BWF वर्ल्ड टूर फाइनल : विश्व रिकॉर्ड बराबरी के साथ एन से-यंग ने जीता 11वां खिताब, पुरुषों में पोपोव की जीत

हांग्जो। साउथ कोरिया की एन से-यंग ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल में चीन की वांग झियी को 21-13, 18-21, 21-10 से मात दी। डिफेंडिंग चैंपियन को शिकस्त देकर एन से-यंग ने सीजन का अपना 11वां टाइटल जीत लिया है। इसी के साथ एन से-यंग ने एक सीजन में सर्वाधिक टाइटल जीतने के मामले में जापानी मेंस सिंगल्स लीजेंड केंटो मोमोटा की बराबरी कर ली है। 96 मिनट तक चले इस रोमांचक मैच को जीतने के बाद एन ने कहा, "मैं सच में बहुत खुश और खुद पर गर्व महसूस कर रही हूं।" वहीं, खिताबी मुकाबले को गंवाने के बाद वांग झियी ने स्वीकारा है कि इस मुकाबले में उनकी ऊर्जा कम हो गई थी, जिसकी वजह से गलतियां हुईं।

दूसरी ओर, मेंस सिंगल्स फाइनल में उलटफेर देखने को मिला। फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव ने चीन के नए वर्ल्ड चैंपियन शि यूकी को 21-19, 21-9 से शिकस्त दी। साल 2018 में टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से पहली बार किसी फ्रांसीसी खिलाड़ी ने यह खिताब जीता है। 23 वर्षीय पोपोव ने सीजन के आखिर में खेले गए टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। पोपोव ने अपने ग्रुप में टॉप पर रहते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जहां जापान के कोडाई नाराओका को मात दी। मेंस डबल्स में साउथ कोरिया के डिफेंडिंग चैंपियन किम वोन-हो और सियो सेउंग-जे ने लियांग वेइकेंग और वांग चांग को 21-18, 21-14 से मात दी।

वहीं, महिला डबल्स फाइनल में साउथ कोरिया की बाएक हा-ना और ली सो-ही ने जापान की युकी फुकुशिमा और मायू मात्सुमोतो को 21-17, 21-11 से शिकस्त देकर लगातार दूसरी बार खिताब जीता। मिक्स डबल्स में फेंग यानझे-हुआंग डोंगपिंग की जोड़ी ने जियांग झेनबैंग-वेई याक्सिन की जोड़ी के खिलाफ एक ऑल-चाइनीज फाइनल जीतकर खिताब अपने नाम किया।फेंग और हुआंग की जोड़ी ने फाइनल में दबदबा बनाया।

विजय हजारे ट्रॉफीः पंजाब की 18 सदस्यीय टीम घोषित

गिल, अभिषेक शर्मा समेत अर्शदीप सिंह शामिल

नई दिल्ली। विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 की शुरुआत 24 दिसंबर से होगी, जिसके लिए पंजाब ने 18 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। इस टीम में शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा और अर्शदीप सिंह जैसे स्टार खिलाड़ियों को स्थान दिया गया है।

फिलहाल कप्तान के नाम की घोषणा नहीं हुई है। भारत 11 जनवरी से न्यूजीलैंड के विरुद्ध वनडे और टी20 मुकाबलों की सीरीज खेलेगा। ऐसे में यह तय नहीं है कि गिल, अभिषेक और अर्शदीप की उपलब्धता कितनी होगी। शुभमन गिल को टी20 वर्ल्ड कप 2026 और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में स्थान नहीं दिया गया है। हालांकि, अभिषेक और अर्शदीप इस टी20 टीम का हिस्सा हैं।

इन तीन खिलाड़ियों के अलावा, पंजाब ने प्रभसिमरन सिंह, नमन धीर, अनमोलप्रीत सिंह, रमनदीप सिंह, सनवीर सिंह और हरप्रीत बरार सहित पावर-हिटर और ऑलराउंडर्स का एक मजबूत ग्रुप चुना है। गुरनूर बरार और कृष भगत तेज गेंदबाजी आक्रमण की कमान संभालेंगे।

पंजाब को पिछले सीजन के क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। यह टीम अपने सभी लीग मैच जयपुर में खेलेगी। यह टीम 24 दिसंबर को महाराष्ट्र से भिड़ेगी, जिसके बाद 26 दिसंबर को अगले मुकाबले में उसके सामने छत्तीसगढ़ की टीम होगी। 29 दिसंबर को पंजाब का सामना उत्तराखंड से होगा, जबकि 31 दिसंबर को यह टीम हिमाचल प्रदेश का सामना करेगी।

अगले साल 3 जनवरी को पंजाब का सामना सिक्किम से होगा, जबकि 6 जनवरी को यह टीम गोवा से भिड़ेगी। 8 जनवरी को मुंबई की टीम से उसका सामना होगा। पंजाब की टीम अपने सभी 7 लीग मैच जयपुर में खेलेगी।

पंजाब को पिछले सीजन क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। अर्शदीप 2024-25 सीजन में उनके सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे।

विजय हजारे ट्रॉफी के लिए पंजाब की टीमः शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, अर्शदीप सिंह, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), हरनूर पन्नू, अनमोलप्रीत सिंह, उदय सहारन, नमन धीर, सलिल अरोड़ा (विकेटकीपर), सनवीर सिंह, रमनदीप सिंह, जशनप्रीत सिंह, गुरनूर बरार, हरप्रीत बरार, रघु शर्मा, कृष भगत, गौरव चौधरी, सुखदीप बाजवा।

टी20 वर्ल्ड कप की तैयारी शुरू

ट्रेनिंग कैंप के लिए नेपाल ने 24 खिलाड़ियों का ग्रुप बनाया

काठमांडू। नेपाल ने टी20 वर्ल्ड कप से पहले ट्रेनिंग कैंप के लिए 24 खिलाड़ियों का ग्रुप बनाया है, जिससे फाइनल टीम तय करने में मदद मिलेगी। ट्रेनिंग कैंप में संदीप लामिछाने, रोहित पौडेल, दीपेंद्र सिंह ऐरी, कुशल मल्ला, आसिफ शेख और करण केसी जैसे स्टार खिलाड़ी शामिल होंगे। इस कैंप में शामिल होने वाले 24 खिलाड़ियों की लिस्ट से टी20 वर्ल्ड कप के लिए नेपाल की फाइनल टीम तय होगी। 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में शुरू होने वाले 20 ओवर के टूर्नामेंट के अगले एडिशन से पहले चयनकर्ता इस ग्रुप को 15 खिलाड़ियों तक सीमित करेंगे।

नेपाल ने उन सभी 16 सदस्यों को टीम में बनाए रखा है, जिन्होंने सितंबर और अक्टूबर में टी20 सीरीज में वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। इस सीरीज को नेपाल ने 2-1 से अपने नाम किया था। कैंप में आठ अन्य ऐसे खिलाड़ियो कों शामिल किया है, जिन्होंने हाल ही में नेपाल प्रीमियर लीग में सभी को प्रभावित किया था।

नेपाल ने आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप एशिया-पैसिफिक रीजनल फाइनल में बगैर कोई मुकाबला गंवाए टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई किया। नेपाल की टीम लगातार दूसरी बार और कुल तीसरी बार इस टूर्नामेंट में खेलेगी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में नेपाल को ग्रुप सी में रखा गया है, जिसमें इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और इटली शामिल हैं।

20 टीमों का यह टूर्नामेंट 29 दिनों तक भारत और श्रीलंका में आठ जगहों पर खेला जाएगा। इसमें भारत के पांच और श्रीलंका के तीन वेन्यू होंगे। 7-20 फरवरी के बीच कुल 40 ग्रुप मैच खेले जाएंगे, जिसमें प्रत्येक ग्रुप की टॉप दो टीमें टूर्नामेंट के सुपर 8 चरण में आगे बढ़ेंगी। सुपर 8 चरण की शुरुआत 21 फरवरी से होगी। सुपर 8 चरण खत्म होने पर टॉप चार टीमें इवेंट के नॉकआउट स्टेज के लिए क्वालीफाई करेंगी, जिसके बाद 8 मार्च को खिताबी मुकाबले का आयोजन होगा।

परिवार ने अस्पताल पर शव बदलने और अंग बदलने के लगाए आरोप, अस्पताल परिसर में धरना

अस्पताल की मोर्चरी से बुजुर्ग महिला का शव किसी और को सौंपा

अशवनी पाहवा | लुधियाना
समर न्यूज़

शहर के सराभा नगर स्थित एक निजी अस्पताल से महिला का शव गायब होने का गंभीर और सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस घटना से न सिर्फ मृतका का परिवार सदमे में है, बल्कि अस्पताल प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मामले का खुलासा उस समय हुआ, जब परिजन महिला का अंतिम संस्कार करने के लिए अस्पताल की मॉर्च्युरी से शव लेने पहुंचे। आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन ने उन्हें किसी अन्य महिला का शव सौंप दिया।

जानकारी के अनुसार मृतका के परिजनों ने जब सौंपे गए शव से चादर हटाकर चेहरा देखा तो वे हैरान रह गए। परिजनों ने तुरंत हंगामा करते हुए कहा कि यह शव उनकी महिला रिश्तेदार का नहीं है। इसके बाद गुस्साए परिजन अस्पताल परिसर के अंदर ही धरने पर बैठ गए और अपनी महिला का शव वापस दिलाने की मांग करने लगे। बताया जा रहा है कि जिस महिला के परिजनों ने अस्पताल में धरना दिया है, उस महिला के शव का दाह संस्कार भी हो चुका है और उसकी अस्थियां भी प्रवाहित कर दी गई है।

लीवर की बीमारी से पीड़ित थी महिला

मृतका के पति जसवंत सिंह ने बताया कि वह मोगा के रहने वाले हैं। उनकी पत्नी जसबीर कौर (72) लंबे समय से लीवर की गंभीर बीमारी से पीड़ित थीं। 10 दिसंबर को उनकी हालत ज्यादा बिगड़ने पर उन्हें मोगा के एक अस्पताल से लुधियाना के सराभा नगर स्थित ओरिसन सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में रेफर किया गया था। यहां करीब 9 दिनों तक इलाज चला, लेकिन 19 दिसंबर को डॉक्टरों ने जसबीर कौर को मृत घोषित कर दिया।

बेटों के विदेश में होने के कारण शव मॉर्च्युरी में रखा

परिवार ने बताया कि जसबीर कौर के दोनों बेटे बलबीर सिंह और जनरल सिंह कनाडा में रहते हैं, जहां वे एक रेस्टोरेंट में काम करते हैं। बेटों के भारत आने में समय लगने के कारण परिवार ने अस्पताल प्रबंधन से अनुरोध किया कि शव को कुछ दिनों के लिए मॉर्च्युरी में सुरक्षित रखा जाए। अस्पताल की सहमति के बाद शव को मॉर्च्युरी में रखवा दिया गया।

दूसरी महिला का शव सौंपने का आरोप

सोमवार को जब दोनों बेटे भारत पहुंचे, तो परिवार महिला का शव लेने अस्पताल पहुंचा। आरोप है कि पहले अस्पताल कर्मचारियों ने उन्हें दस्तावेजी प्रक्रिया में लंबे समय तक उलझाए रखा। बाद में जब शव सौंपा गया, तो वह किसी अन्य महिला मंजू (उम्र लगभग 72 वर्ष) का निकला। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल ने उनकी महिला का शव या तो गलती से या जानबूझकर किसी अन्य परिवार को सौंप दिया।

अंग निकालने की आशंका, अंतिम संस्कार से वंचित होने का आरोप

मृतका के पति जसवंत सिंह ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें आशंका है कि उनकी पत्नी के शव से अंग निकालकर बेच दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल की लापरवाही के कारण उन्हें अपनी पत्नी का अंतिम संस्कार तक करने का मौका नहीं मिला, जो बेहद पीड़ादायक है।

अस्पताल और पुलिस का पक्ष

अस्पताल के डॉक्टर सुनील ने कहा कि प्रबंधन स्तर पर मामले की जांच की जा रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि किस स्तर पर चूक हुई। जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। वहीं थाना सराभा नगर के एसएचओ आदित्य शर्मा ने बताया कि पीड़ित परिवार के बयान दर्ज कर लिए गए हैं। अस्पताल प्रबंधन से भी पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि शव की अदला-बदली की शिकायत की गहन जांच के बाद कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पीड़ित परिवार अस्पताल के बाहर धरना प्रदर्शन कर रहा है और न्याय की मांग कर रहा है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि जांच के बाद सच्चाई सामने लाई जाएगी।

फुटपाथ से टकराई तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार

एयरबैग खुलने से चालक की बची जान

शेखर वर्मा, लुधियाना
समर न्यूज़

फिरोजपुर रोड स्थित एलिवेटेड पुल पर सोमवार दोपहर तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार अनियंत्रित होकर फुटपाथ से टकरा गई। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, हालांकि समय पर एयरबैग खुलने से चालक की जान बच गई। दुर्घटना में चालक को मामूली चोटें आईं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बीएमडब्ल्यू कार काफी तेज गति से पुल पर आ रही थी। इसी दौरान चालक अचानक संतुलन खो बैठा, जिससे कार पहले फुटपाथ से टकराई और फिर डिवाइडर से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पलट गई और उसके परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद पुल पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। राहगीरों ने तुरंत ट्रैफिक पुलिस को सूचना दी और घायल चालक को कार से बाहर निकाला। इस दौरान चालक नशे की हालत में पाया गया, जिसने मौके पर मौजूद लोगों और पुलिस कर्मियों से अभद्र व्यवहार भी किया। सूचना मिलने पर ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंची और चालक को हिरासत में लेकर थाना डिवीजन नंबर-5 की पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपी चालक को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और नशे में वाहन चलाने को लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

लुधियाना की सड़कों का होगा मेकओवर

प्रमुख सड़कों को बनाया जाएगा वर्ल्ड क्लास

लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज़

राज्य सरकार की ओर से शहर की सड़कों को वर्ल्ड क्लास स्तर पर अपग्रेड करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट की निगरानी खुद कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा कर रहे हैं। इसी कड़ी में सोमवार को नगर निगम जोन-डी कार्यालय में सिटी लेवल कमेटी की तीसरी बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नगर निगम कमिश्नर आदित्य डेचलवाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए की।

बैठक के दौरान कंसल्टेंट कंपनियों द्वारा तैयार किए गए रोड डिजाइनों पर विस्तार से चर्चा की गई और उन्हें अंतिम रूप देने पर मंथन हुआ। इसका मकसद शहर की सड़क व्यवस्था को आधुनिक, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाना है। कंसल्टेंट फर्म ध्रुपद कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड और क्रिएटिव फुटप्रिंट्स के अधिकारियों ने डिजाइनों की प्रस्तुति दी। अधिकारियों ने बताया कि परियोजना में सभी वर्गों वाहन चालकों, साइकिल सवारों और पैदल यात्रियों—की जरूरतों को ध्यान में रखा गया है। सुरक्षा, सुव्यवस्थित पार्किंग, हरियाली और सौंदर्यीकरण इस प्रोजेक्ट की प्राथमिकताओं में शामिल होंगे। हर सड़क को उसके आसपास के क्षेत्र की जरूरतों के अनुसार विकसित किया जाएगा।

कई विभागों के अधिकारी रहे मौजूद-

बैठक में निगम एडिशनल कमिश्नर परमदीप सिंह, डीसीपी रुपिंदर सिंह, एसीपी (ट्रैफिक) जतिन बंसल, एसई शाम लाल गुप्ता, पंजाब रोड सेफ्टी एंड ट्रैफिक रिसर्च सेंटर के डायरेक्टर नवदीप असीजा और पंजाब रोड सेफ्टी काउंसिल के सदस्य राहुल वर्मा सहित पीडब्ल्यूडी, पीएसपीसीएल के अधिकारी भी शामिल हुए। पंजाब रोड सेफ्टी एंड ट्रैफिक रिसर्च सेंटर इस प्रोजेक्ट में प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग यूनिट की भूमिका निभा रहा है।

15 किलोमीटर सड़कों का होगा कायाकल्प

प्रोजेक्ट के मौजूदा चरण में करीब 15 किलोमीटर लंबी प्रमुख सड़कों को चुना गया है। इनमें शामिल हैं—

- *शेरपुर चौक से जगराओं ब्रिज*
- *जगराओं ब्रिज से ओल्ड सब्जी मंडी चौक*
- *फाउंटेन चौक से भारत नगर चौक*
- *फाउंटेन चौक से आरती सिनेमा चौक*
- *चौंरा बाजार चौक से घास मंडी चौक*
- *डीएमसी अस्पताल के बाहर की सड़क*
- *फील्डगंज से सिविल अस्पताल रोड*
- *गिल चौक से गिल गांव की ओर जाने वाली सड़क*
- *मॉडल टाउन रोड सहित अन्य प्रमुख मार्ग*

14 दुकानों को किया सील

निगम ने अवैध इमारतों को ढहाया

लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज़

शहर में अवैध निर्माणों के खिलाफ नगर निगम ने सख्त रुख अपनाते हुए सोमवार को बड़ी कार्रवाई की। नगर निगम की बिल्डिंग ब्रांच ने शहर के अलग-अलग इलाकों में 22 अवैध इमारतों पर कार्रवाई करते हुए सात निर्माणाधीन इमारतों और एक स्कूल भवन को ध्वस्त कर दिया, जबकि 14 भवनों व दुकानों को सील किया गया। यह कार्रवाई नगर निगम कमिश्नर आदित्य डेचलवाल के निर्देशों पर निगम के जोन डी और जोन सी क्षेत्रों में की गई। एटीपी जोन डी हरविंदर सिंह ने बताया कि हिम्मत सिंह नगर और प्रीत नगर में तीन अवैध इमारतों को गिराया गया। इसके अलावा डुगरी इलाके में (चमकीला समाध के सामने) पांच, सिमेट्री रोड पर तीन और जवद्दी रोड पर छह भवनों/दुकानों को सील किया गया। वहीं नगर निगम के जोन सी की टीम ने ग्यासपुरा क्षेत्र में चार अवैध निर्माणाधीन औद्योगिक इमारतों को ध्वस्त किया। इसके साथ ही लोहरा इलाके में बन रहे एक अवैध स्कूल भवन को भी गिरा दिया गया। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार संबंधित भवन मालिकों ने बिना नगर निगम से नक्शा मंजूर कराए निर्माण शुरू किया था या फिर भवन उपनियमों का उल्लंघन करते हुए निर्माण किया जा रहा था। बिल्डिंग ब्रांच के अधिकारियों ने साफ किया कि अवैध निर्माणों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। साथ ही शहरवासियों से अपील की गई है कि भवन निर्माण से पहले नगर निगम से नक्शा स्वीकृत कराना अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें।

चार साहिबज़ादों व माता गुजरी जी की शहादत को समर्पित रक्तदान शिविर

शहीदों की कुर्बानी से सेवा की प्रेरणा मिलती है : विधायक भोला

दलजीत विक्की | लुधियाना
समर न्यूज़

चार साहिबज़ादों, माता गुजरी जी एवं समस्त शहीदों की शहादत को समर्पित मानवता की भलाई के उद्देश्य से भाई घनैया जी मिशन सेवा सोसायटी की ओर से 853वां विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर संस्था के मुख्य सेवादार जत्थेदार तरनजीत सिंह निमाणा के नेतृत्व में तथा सुरिंदर सिंह मदान की देखरेख में, क्षेत्रवासियों के सहयोग से गुरुद्वारा दुख निवारण साहिब, आज़ाद नगर, बहादर के रोड पर लगाया गया। शिविर का उद्घाटन करते हुए विधायक दलजीत सिंह भोला ग्रेवाल ने कहा कि चार साहिबज़ादों, माता गुजरी जी और समस्त शहीदों की महान कुर्बानियों से पूरी मानवता को निस्वार्थ सेवा और परोपकार की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि रक्तदान जैसे कार्य समाज के लिए जीवनदायी सिद्ध होते हैं और युवाओं को ऐसे पुण्य कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। इस अवसर पर विधायक भोला ग्रेवाल ने सुरिंदर सिंह मदान, इंदरपाल सिंह सहित रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे युवाओं को प्रमाण पत्र एवं सम्मान चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। भाई घनैया जी मिशन सेवा सोसायटी (रजि.) के मुख्य सेवादार जत्थेदार तरनजीत सिंह निमाणा ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर के दौरान रेड क्रॉस और प्रीत अस्पताल के सहयोग से कुल 52 यूनिट रक्त एकत्र किया गया, जिसे जरूरतमंद मरीजों को निःस्वार्थ रूप से उपलब्ध कराया जाएगा। इस मौके पर हरजिंदर सिंह पमाल, मेजर सिंह, इंदरपाल सिंह, मनदीप सिंह धालीवाल, गुरमेल सिंह, देविंदर सिंह बबला, डॉ. विक्रम राणा, डॉ. अनिल कुमार, तुलसी राम वर्मा, सतनाम वर्मा, राजिंदर सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

फिक्की फ्लो ने विंटर वंडरलैंड का किया आयोजन

समर न्यूज़ | लुधियाना

फिक्की फ्लो लुधियाना द्वारा परागॉन वॉटरफ्रंट में फ्लो गैलेरिया x विंटर वंडरलैंड का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह आयोजन उद्यमिता, रचनात्मकता और सर्दियों के उत्सवी माहौल का सुंदर संगम रहा, जिसने एक जीवंत और आकर्षक बाजार का रूप लिया।इस कार्यक्रम का आयोजन फ्लो लुधियाना की चेयरपर्सन श्वेता जिंदल के नेतृत्व में किया गया।

उनकी समर्पित कोर टीम की दूरदर्शिता और सूक्ष्म योजना के चलते यह आयोजन प्रतिभागियों और आगंतुकों दोनों के लिए एक सहज व यादगार अनुभव साबित हुआ।इस प्रदर्शनी में युवा एवं उभरते उद्यमियों से लेकर प्रतिष्ठित ब्रांड्स तक ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। डिजाइनर परिधान, लाइफस्टाइल उत्पाद, उत्सवी सजावट, गिफ्टिंग आइटम्स और क्लाउड किचन जैसे विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े उद्यमियों ने अपने उत्पाद प्रदर्शित किए, जिससे यह आयोजन नवाचार और उद्यमशीलता का सजीव उदाहरण बना।

फ्लो गैलेरिया ने महिला-नेतृत्व वाले व्यवसायों को व्यापक दर्शक वर्ग से जुड़ने, पहचान बनाने और अपने बाजार को मजबूत करने का एक सशक्त मंच प्रदान किया। खूबसूरती से सजे स्टॉल, उत्सवी माहौल और दर्शकों की भारी भीड़ ने आयोजन की सफलता को और भी खास बना दिया।रचनात्मकता, व्यापार और सामुदायिक भावना के अनूठे संगम के साथ फ्लो गैलेरिया x विंटर वंडरलैंड न केवल सर्दियों का एक यादगार उत्सव रहा, बल्कि लुधियाना की महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने की दिशा में एक सार्थक पहल भी सिद्ध हुआ।

ग्लाडा ने अवैध कॉलोनियां पर की कार्रवाई

लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज़

पंजाब के आवास एवं शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां और ग्लाडा के मुख्य प्रशासक संदीप कुमार के निर्देशों पर ग्लाडा की इंफोर्समेंट टीम ने गांव कनीजा में बनी तीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर दिया। अधिकारियों के मुताबिक डेवलपर्स को पहले नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन निर्माण जारी रहने पर कार्रवाई की गई। ध्वस्तीकरण अभियान शांतिपूर्ण रहा और डेवलपर्स के खिलाफ एफआईआर की सिफारिश की गई है। ग्लाडा ने अवैध कॉलोनियों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति दोहराते हुए लोगों से अपील की है कि संपत्ति खरीदने से पहले मंजूरी की जांच अवश्य करें।

क्रिसमस पर जगमगाया चर्च....

क्रिसमस के अवसर पर लुधियाना स्थित कलवारी चर्च को आकर्षक रोशनी, सितारों और थीमेटिक सजावट से सुसज्जित किया गया, जिससे रात भर श्रद्धालुओं और पर्यटकों की आवाजाही बनी रही। चर्च में कैरल सिंगिंग और विशेष प्रार्थना सभाओं के साथ क्रिसमस कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें स्थानीय समुदाय की उत्साही भागीदारी देखी गई। शहर में क्रिसमस सेलिब्रेशन के तहत चर्चों और बाजारों में रौनक देखने को मिली, और परिवारों ने मोमबत्तियां जलाकर शांति व खुशहाली की कामना की। **फोटो लक्की भट्टी**

ग्रुप एडिटरः अर्शदीप सिंह, एग्जीक्यूटिव एडिटर : चंदन स्वप्निल*, मुद्रक, प्रकाशक, इंप्रेशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट- 22, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला। आरएनआई पंजीकरण संख्याः CHMUL/25/A1155
*इस अंक में प्रकाशित सभी समाचार पीआरबी के चयन एवं संपादन हेतु हैं। अधिनियम के अंतर्गत सभी उत्तरदायित्व और उससे उत्पन्न सभी विवाद लुधियाना न्यायालय के अधीन होंगे। वर्ष 1 अंक 108